मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, मंगलवार, 25 नवंबर 2025

संवत 2082, मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष 5 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 76 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 अयोध्या में ध्वजारोहण : सनातन परंपरा के पुनर्जागरण का क्षण

दोस्त धर्मेंद्र के जाने से गम में नजर आ रहे अमिताभ बच्चन 6

भगवामय हुई अयोध्या : राम मंदिर की शिखर पर पीएम ने फहराया धर्मध्वजा

अयोध्या: अयोध्या का राम मंदिर आज संपूर्ण हो गया। प्राण प्रतिष्ठा के 673 दिनों बाद पीएम मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। सुबह 11।50 बजे अभिजीत मुहूर्त में बटन दबाते ही 2 किलो की केसरिया ध्वजा 161 फीट ऊंचे शिखर पर फहरने लगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार 25 नवंबर को विवाह पंचमी के अवसर पर राम मंदिर के 'शिखर' पर भगवा ध्वज फहराया। पीएम मोदी ध्वजारोहण समारोह में शामिल होने वाले उच्च-स्तरीय गणमान्य

- भावुक हुए मोदी कहा, हमारा सपना पूरा हुआ, सदियों के घाव अब भर रहे है, योगी ने कहा- सनातन की जीत
- मानसिक गुलामी ने 'राम' को भी काल्पनिक बताया: पीएम
- आंसू पोछते दिखे साधु- संत,ध्वजा पर बारिश-तूफान भी बेअसर

व्यक्तियों में शामिल थे, साथ ही यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भागवत भी अन्य उपस्थित थे। दस फीट ऊंचे और बीस फीट लंबे धर्म ध्वज पर भगवान श्री राम के तेज और पराक्रम के प्रतीक सूर्य की छवि अंकित है, जिस पर कोविदारा वृक्ष की छवि के साथ ओम अंकित है। पारंपरिक उत्तर भारतीय नागर स्थापत्य शैली में निर्मित श्री राम जन्मभूमि मंदिर शिखर पर भगवा ध्वज लहराते ही भक्त खुशी से झूम उठे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्री अयोध्या धाम में भगवान राम के भव्य मंदिर में ध्वजारोहण किसी यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं, बल्कि एक नए युग का सूत्रपात है। मैं इस अवसर पर राम भक्तों की ओर से प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करता हूँ। यह समारोह मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को भगवान राम और देवी सीता के विवाह पंचमी के अभिजीत मुहूर्त के साथ संयोग से मनाया गया, जो दिव्य मिलन का प्रतीक है। यह दिन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि यह नौवें सिख गुरु, गुरु तेग बहादुर जी के शहादत दिवस का भी प्रतीक है, जिन्होंने 17वीं शताब्दी में अयोध्या में 48 घंटे तक ध्यान किया था, जिससे इस दिन का आध्यात्मिक महत्व और भी बढ़ जाता है।

झारखंड पुलिस सेवा के 9 डीएसपी बने आईपीएस

एसपी रैंक के अफसरों की संख्या में वृद्धि

रांची : झारखंड पुलिस सेवा के नौ सीनियर डीएसपी को आईपीएस रैंक में प्रोन्नति मिली है। गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जल्द की अधिकारियों के प्रोन्नति से संबंधित आदेश जारी कर दिया जायेगा। जानकारी के मुताबिक, जिन सीनियर डीएसपी को आईपीएस रैंक में प्रोन्नति मिली है, उसमें श्रीराम समद, रोशन गुड़िया, अविनाश कुमार, राजेश कुमार, मजरूल होदा, दीपक कुमार-एक को आईपीएस में प्रोन्नति दी गयी है। वहीं जेपीएससी दो बैच के राधाकृष्ण किशोर, मुकेश महतो और शुवेंदु को कंडिशनल प्रोन्नति मिली है।

उल्लेखनीय है कि झारखंड पुलिस में एसपी रैंक के अधिकारियों की संख्या में जल्द ही बढ़ोतरी होने वाली है। वर्तमान में 2012 से लेकर 2021 बैच तक एसपी रैंक के आईपीएस अधिकारियों की वर्तमान संख्या 71 है, जिनमें से 10 अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। झारखंड पुलिस सेवा के नौ डीएसपी को आईपीएस रैंक में प्रोन्नति मिलने के बाद झारखंड पुलिस में एसपी रैंक के आईपीएस अधिकारियों की संख्या बढ़कर 80 हो जाएगी। हालांकि, जनवरी 2026 में 2012 बैच के चार आईपीएस अधिकारी डीआईजी रैंक में प्रोन्नत हो जाएंगे। इसके फलस्वरूप, वर्ष 2026 से झारखंड में एसपी रैंक के आईपीएस अधिकारियों की संख्या 76 रहेगी।

झारखंड पुलिस सेवा में जल्द ही एक बड़ा संगठनात्मक और पदोन्नति संबंधी फेरबदल होने वाला है। राज्य में न केवल एसपी रैंक के आईपीएस अधिकारियों की संख्या में वृद्धि होगी, बल्कि विभिन्न स्तरों पर कुल 16 आईपीएस अधिकारियों को पदोन्नति दी जाएगी, जिसमें एडीजी, आईजी, डीआईजी और एसपी से सेलेक्शन ग्रेड तक की पदोन्नतियां शामिल हैं।

रिपोर्ट में खुलासा : लेबर कोड लागू होने से 77 लाख नौकरियां होंगी पैदा, 75,000 करोड़ बढ़ेगा उपभोग

नई दिल्ली : एसबीआई की मंगलवार को आई एक लेटेस्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के नए लेबर कोड एक छोटे ट्रांजीशन चरण के बाद मीडियम टर्म में बेरोजगारी को 1।3 प्रतिशत तक कम करने में प्रभावी साबित होंगे। हालांकि, नए लेबर कोड का यह प्रभाव सुधारों के लागू होने, फर्म-लेवल पर एडजस्टमेंट लागत और कॉम्प्लीमेंट्री राज्य-स्तरीय नियमों जैसे कारकों पर निर्भर करेंगे।

इसका मतलब होगा कि वर्तमान लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट 60।1 प्रतिशत और शहरी और ग्रामीण वर्कफोर्स में 70।7 प्रतिशत एवरेज वर्किंग एज पॉपुलेशन के आधार पर इस कदम के साथ 77 लाख लोगों के लिए अतिरिक्त रोजगार का सृजन होगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर, डॉ। सौम्या कांति घोष ने कहा, लगभग 30 प्रतिशत के सेविंग रेट के साथ नए नियमों के लागू होने से 66 रुपए प्रति व्यक्ति प्रति दिन खपत बढ़ेगी। इससे 75,000 करोड़ रुपए का उपभोग बढ़ेगा। इसलिए लेबर कोड को उपभोग बढ़ाने में एक अहम योगदाकर्ता माना जा रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नए लेबर कोड के लागू होने से कर्मचारी और उद्यम दोनों सशक्त बनेंगे और ऐसे वर्कफोर्स का निर्माण होगा, जिससे भारत के लिए एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी आत्मनिर्भर राष्ट्र की राह बनेगी। भारत में 44 करोड़ लोग असंगठित क्षेत्र में काम कर हैं। जिसमें से 31 करोड़ ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं। अगर अनुमान लगाते हैं कि 20 प्रतिशत लोग इनफोर्मल पे रोल से फॉर्मल पे रोल में शिफ्ट होते हैं तो इससे करीब 10 करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा। जिसके साथ हमारा मानना है कि अगले 2-3 वर्षों में भारत की सोशल सिक्योरिटी कवरेज की पहुंच 80 से 85 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएलएफएस डेटासेट के अनुसार, भारत में फॉर्मल वर्कर्स की भागीदारी 60।4 प्रतिशत है। हमारा मानना है कि नए लेबर कोड लागू होने के बाद फॉर्मलाइजेशन रेट 15।1 प्रतिशत बढ़ जाएगा, जिससे लेबर मार्केट फॉर्मलाइजेशन 75।5 प्रतिशत हो जाएगा।

सीजेआई सूर्यकांत का पहला बड़ा निर्णय

सुप्रीम कोर्ट ने बर्खास्तगी को सही ठहराया

ईसाई आर्मी ऑफिसर ने मंदिर में घुसने से किया था इनकार

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक ईसाई सैन्य अधिकारी की बर्खास्तगी को बरकरार रखा, जिसने एक मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश करने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि सेना एक धर्मनिरपेक्ष संस्था है और इसके अनुशासन से समझौता नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपने अपने सैनिकों की भावनाओं को ठेस पहुँचाई है। कोर्ट ने अधिकारी सैमुअल कमलेसन पर घोर अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए उन्हें सेना के लिए पूरी तरह अनुपयुक्त बताया। सिख स्क्वाड्रन में तैनात सैमुअल कमलेसन ने अनुशासनात्मक कार्रवाई को चुनौती देते हुए तर्क दिया था कि मंदिर में प्रवेश के लिए मजबूर करना उनकी धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि उनका आचरण वैध आदेश की अवज्ञा के बराबर है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को बरकरार रखा जिसमें अधिकारी सैमुअल कमलेसन की सेवा समाप्ति को बरकरार रखा गया था। सीजेआई सूर्यकांत ने उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए कहा वह कैसा संदेश दे रहे हैं।।उन्हें सिर्फ. इसी बात के लिए बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए था।।एक सैन्य अधिकारी द्वारा घोर अनुशासनहीनता। अधिकारी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने अदालत के समक्ष तर्क दिया कि अधिकांश रेजिमेंटल मुख्यालयों में एक सर्व धर्म स्थल होता है। हालाँकि, पंजाब के मम में केवल एक मंदिर और गुरुद्वारा है।

दिल्ली- एनसीआर पहुंची इथियोपिया के ज्वालामुखी की राख, डीजीसीए ने जारी की एडवाइजरी, कई उड़ानें रद्द

नई दिल्ली : इथियोपिया में हुए हेली गुब्बी ज्वालामुखी विस्फोट का असर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पड़ने लगा है। विस्फोट के बाद फैली राख मिडिल ईस्ट के कई हिस्सों तक पहुंच गई है, जिससे मस्कट फ्लाइट इन्फॉर्मेशन रीजन से गुजरने वाले रूट प्रभावित हुए हैं। इसी कारण डच्छट रॉयल डच एयरलाइंस ने दिल्ली-एम्स्टर्डम उड़ान को रद्द कर दिया है। टूलूज वोल्केनिक ऐश एडवाइजरी सेंटर के मुताबिक राख का गुबार अब उत्तर भारत की ओर बढ़ते हुए दिल्ली-एनसीआर तक पहुंच गया है। डीजीसीए ने एयरलाइंस और एयरपोर्ट्स को इस संबंध में एडवाइजरी जारी की है।

राख के घने बादल आने से दिल्ली-एनसीआर की हवा की गुणवत्ता और खराब होने की आशंका है। अकासा एयर ने 24 और 25 नवंबर को जेद्दा, कुवैत और अबू धाबी रूट की उड़ानें रद्द की हैं, जबकि इंडिगो ने भी कुछ उड़ानें रद्द की हैं। डीजीसीए ने एयरलाइंस को ज्वालामुखी राख से जुड़े दिशा-निदेशों की समीक्षा करने, फ्लाइट प्लानिंग और रूटिंग एडजस्ट करने और क्रू को अपडेट देने के निर्देश दिए हैं। एयरपोर्ट्स को कहा गया है कि राख का पता चलने पर रनवे और टैक्सीवे की जांच कर साफ होने तक संचालन रोक दें। एयरलाइंस ने यात्रियों से अपनी उड़ानों की स्थिति पर नजर रखने की अपील की है और कहा है कि हालात की लगातार निगरानी की जा रही है।

सीएम नीतीश का बड़ा एलान

1 करोड़ युवाओं को नौकरी, बिहार बनेगा टेक्नोलॉजी हब, बंद चीनी मिलें भी होंगी गुलजार

पटना: बिहार को विकसित राज्य बनाने की दिशा में काम तेजी से शुरू हो गया है। इसी को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स पर बड़ी जानकारी दी है। नीतीश ने नई सरकार के गठन के बाद आज एक्स पर लिखा कि राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले, ये शुरू से ही हमलोगों की प्राथमिकता रही है। सात निश्चय-2 के तहत वर्ष 2020-25 के बीच राज्य में 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार दिया गया है। अगले 5 वर्षों (2025-30) में हमलोगों ने 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

नीतीश ने आगे लिखा कि नई सरकार के गठन के बाद राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने एवं अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध करने के लिए हमलोगों ने तेजी से काम शुरू कर दिया है। बदलते बिहार के विकास की गति को बल देने हेतु बिहार में प्रौद्योगिकी और सेवा आधारित नवाचारों की न्यू ऐज इकोनॉमी के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु इस क्षेत्र की बिहार से संबंध रखनेवाले अग्रणी उद्यमियों के सुझाव प्राप्त कर योजनाओं एवं नीतियों का निर्धारण किया जाएगा। साथ ही बिहार को एक वैश्विक- हब एवं ग्लोबल वर्क प्लेस के रूप में विकसित एवं स्थापित करने हेतु महत्वपूर्ण विभागों तथा प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों एवं विशेषज्ञों के सहयोग से एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

उन्होंने कहा कि बिहार की जनसंख्या में युवाओं की भागीदारी काफी अधिक है। इसको सार्थक दिशा देने पर बिहार देश का सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्य बन सकता है। बिहार के बड़ी संख्या में उपलब्ध युवा मानव संसाधन को ध्यान में रखते हुए बिहार को पूर्वी भारत के नए टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए बिहार में डिफेंस कॉरिडोर, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स, मेगा टेक सिटी व फिनटेक सिटी की स्थापना की जाएगी एवं उद्योगों का जाल बिछाने हेतु वृहद कार्ययोजना तैयार कर योजनाओं को क्रियान्वित किया जाएगा।

10वीं बार सीएम पर दी शपथ लेने के बाद उन्होंने कहा कि राज्य में नई चीनी मिलों की स्थापना एवं पुरानी बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनः चालू करने हेतु नीति एवं कार्ययोजना बनाई गई है। इसके साथ ही राज्य के सभी प्रमुख शहरों को बेहतर एवं सुंदर बनाने की योजना पर कार्य करने हेतु तैयारी एवं नई तकनीकों का उपयोग कर राज्य को अग्रणी बनाने हेतु बिहार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन की स्थापना की जाएगी। उक्त सभी बिन्दुओं पर कार्ययोजना तैयार करने हेतु मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आज उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी गई है। यह समिति राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने एवं युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन तथा अनुश्रवण का कार्य करेगी।

भारत करेगा कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी

नई दिल्ली : भारत को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी लगभग तय मानी जा रही है और बुधवार को ग्लासगो में होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली में इसे औपचारिक मंजूरी मिलने की उम्मीद है। यह भारत के उस लक्ष्य की ओर बड़ा कदम है, जिसके तहत वह वैश्विक मल्टी-स्पोर्ट हब बनना चाहता है। भारत आखिरी बार 2010 में दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स आयोजित कर चुका है, जबकि इस बार आयोजन अहमदाबाद में होगा, जहां पिछले वर्षों में खेल ढांचा तेजी से विकसित हुआ है। मूल्यांकन समिति द्वारा तकनीकी क्षमता, इंफ्रास्ट्रक्चर और एथलीट अनुभव जैसे पहलुओं के आधार पर दी गई सिफारिश पर जनरल असेंबली में मुहर लगाई जाएगी।

इस बोली में भारत का मुकाबला नाइजीरिया के अबुजा से था, लेकिन उसे 2034 संस्करण के लिए विचार में रखा गया है। बुधवार को भारत अपनी प्रजेंटेशन देगा और मंजूरी के बाद एक विशेष ब्रॉडकास्ट मोमेंट भी प्रस्तुत किया जाएगा। औपचारिक घोषणा शाम करीब 6.30 बजे होने की संभावना है। बैठक में भारत की ओर से संयुक्त सचिव (स्पोर्ट्स) कुनाल, क्डअ अध्यक्ष पी. टी. ऊषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी मौजूद रहेंगे।

2010 दिल्ली गेम्स में अनुमान से कई गुना अधिक खर्च हुआ था, जबकि हाल के वर्षों में कॉमनवेल्थ गेम्स की प्रासंगिकता बनाए रखना चुनौती रहा है। 2030 की मेजबानी भारत के 2036 ओलंपिक आयोजन के प्रयासों को भी मजबूती देगी। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने अहमदाबाद को तकनीकी योग्यता और इंफ्रास्ट्रक्चर के आधार पर उपयुक्त पाया है।

अहमदाबाद हाल में कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित कर चुका है और सरदार पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव में विशाल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकसित किया जा रहा है, जिसमें नरेंद्र मोदी स्टेडियम, एक्वाटिक्स सेंटर और फुटबॉल स्टेडियम शामिल होंगे।

न्यूज IN ब्रीफ

सोना खनन के खिलाफ आदिवासियों का जबरदस्त विरोध

खूंटी: झारखंड सरकार की कंपनी झारखंड स्टेट मिनरल्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएमसीएल) द्वारा प्रस्तावित सोने के खनिज अन्वेषण के विरोध में खुंटी जिले के हजारों आदिवासी ग्रामीणों ने शुक्रवार को जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि वे किसी भी हालत में अपने इलाके में सोना खनन नहीं होने देंगे।

यह विरोध प्रदर्शन खूंटी जिले के सुदूरवर्ती अड़की प्रखंड के हुडुवा राजा बाजार इलाके में हुआ। यहाँ पर आस-पास के 14 गांवों से हजारों की संख्या में आदिवासी समुदाय के पुरुष और महिलाएं एकत्रित हुए और जेएमसीएल की योजना का विरोध किया। ग्रामीणों का आरोप है कि जेएमसीएल ने बिना उनकी सहमति के खूंटी के अड़की प्रखंड के 10 गांव, रांची के तमाड़ प्रखंड के 3 गांव और सरायकेला-खरसावां जिले के कुचाई प्रखंड के 1 गांव–कुल 14 गांवों में सोने का पता लगाने का काम शुरू कर दिया है। उनके अनुसार, कंपनी के एजेंट और विभाग के लोग इन गांवों से मिट्टी, पानी और जंगली पदार्थों के नमूने एकत्रित करके ले जा रहे हैं ताकि सोने के भंडार का पता लगाया जा सके।

ग्रामीणों और स्थानीय नेताओं ने इस कार्रवाई को संविधान की पांचवीं अनुसूची का सीधा उल्लंघन बताया है। पांचवीं अनुसूची आदिवासी बहुल क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधान करती है, जिसके तहत इन इलाकों में भूमि के हस्तांतरण और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन पर सख्त नियंत्रण है। उनका कहना है कि बिना ग्राम सभा की मंजूरी के ऐसा कोई भी अन्वेषण कानूनन गलत है।

प्रदर्शनकारियों ने एक स्वर में चेतावनी दी, किसी भी परिस्थिति में यहां स्वर्ण खनिज खनन नहीं करने दिया जाएगा। सरकार के इस कदम का हम पुरजोर विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि खनन से उनकी जमीन, जंगल, पानी और पूरा पर्यावरण बर्बाद हो जाएगा, जिस पर उनकी आजीविका और सांस्कृतिक पहचान निर्भर है।

यह घटना झारखंड जैसे संसाधन-संपन्न राज्य में विकास और पर्यावरण तथा स्थानीय अधिकारों के बीच चल रहे टकराव को एक बार फिर उजागर करती है। सरकार और जेएमसीएल का तर्क है कि यह सिर्फ अन्वेषण है जिससे क्षेत्र के खनिज संपदा का पता चलेगा, लेकिन ग्रामीणों को डर है कि यह अन्वेषण, बड़े पैमाने पर विनाशकारी खनन का रास्ता साफ करेगा। अब नजर राज्य सरकार पर है कि वह इस विवाद को सुलझाने के लिए ग्रामीणों से बातचीत करती है या फिर परियोजना को आगे बढ़ाने का फैसला करती है।

करमाली में बंद पड़े माइंस के पानी में डूबकर युवक की मौत

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड के वशिष्ठ नगर,जोरी थाना क्षेत्र के सलैया पंचायत के करमाली गांव के बंद पड़े माइंस के गहरे पानी में डूबने से आनंद यादव(19 वर्ष) नामक युवक की मौत हो गई। मृतक को काफी मशक्कत के बाद लगभग 7 घंटे बाद स्थानीय तैराकों की मदद से देर शाम पानी से बाहर निकाला गया। मृतक युवक सदर थाना क्षेत्र के लेम पंचायत के कन्नौदी गांव का निवासी था। ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक करमाली गांव में स्थित एक पत्थर माइंस पर मजदूर के रूप में कार्यरत था। परिजन रंजीत यादव ने माइंस संचालको पर हत्या करने का आरोप लगाया है। रंजीत यादव ने आरोप लगाया कि मृतक माइंस मे पूर्व से ही काम कर रहा था। बकाया भुगतान को लेकर माइंस संचालक से विवाद चल रहा था। बताया कि कुछ दिन पूर्व संचालक ने मृतक को मार कर फेंक देने की बात कही थी। वहीं हंटरगंज के प्रखंड प्रमुख पति और समाजसेवी कमलेश यादव ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा फोन के माध्यम से जानकारी मिली कि करमाली माइंस के बंद पड़े खदान में एक युवक डूब गया है। जानकारी मिलने के बाद वह घटनास्थल पर पहुंचे तो देखा कि काफी भीड़ है और गोताखोर आए हुए हैं। लेकिन युवक नहीं मिल पाया है तो उन्होंने तत्काल चतरा डीसी और सीओ से बात की। डीसी साहिबा ने एनडीआरएफ की टीम भेजने की बात कही।

घर में घुसकर अपराधियों ने सो रहे पुजारी को गोलियों से किया छननी

हजारीबाग : जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है जहां अज्ञात बदमाशों ने एक पुजारी की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मामला जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र के बुंडू पंचायत स्थित बघुताबर गांव का है। बताया जा रहा है कि रूपलाल करमाली नामक मृतक व्यक्ति गांव के मंडा पूजा में भगत-पुजारी का काम करता था। वह रात को अपने घर सो रहा था। इस दौरान बदमाश छत के रास्ते घर में घुसे थे और सोते हुए रूपलाल पर ताबड़तोड़ पांच गोलियां फायरिंग की जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशतः गोलियों की तेज आवाज सुनकर परिजन और पड़ोसी दौड़े आए, लेकिन तब तक हत्यारे अंधेरे में फरार हो चुके थे। घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। फिलहाल पुलिस अपराधियों की तलाश में जुट गई है।

मारवाड़ी महाविद्यालय में रक्तदान जागरुकता पर विशेष सत्र

रांचीः मारवाड़ी महाविद्यालय, रांची की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आज जेसी बोस सभागार में रक्तदान जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने मुख्य अतिथि तथा लाइफ सेवर संस्था के संस्थापक अतुल गेरा को अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत के साथ की। मुख्य वक्ता अतुल गेरा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि थैलीसीमिया, कैंसर, गंभीर ऑपरेशन और कई प्रकार की आकस्मिक स्थितियों में रक्त की आवश्यकता तेजी से बढ़ रही है। क्योंकि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ नागरिक को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने छात्रों की शंकाओं का समाधान किया और रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए अपने अनुभव साझा किए। अपने संदेश में प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने कहा कि रक्तदान मानवता की सर्वोत्तम सेवा है और समाज को स्वस्थ बनाए रखने में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने युवाओं से नियमित रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की। कार्यक्रम का सफल संचालन जय प्रकाश रजक ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ सीमा चौधरी ने प्रस्तुत किया। रक्तदान जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाने में अनुभव चक्रवर्ती, निरंजन, अजहर, कीर्ति, म्यान, यति, सरोज, नितिश, अनुराग सहित कई स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा।

खूंटी में विकास कार्य ठप, छह महीने से डायवर्सन अधूरा

जनता में आक्रोश

संवाददाता

रांची /खूंटी : बिरसा मुंडा की जन्मभूमि खूंटी में विकास योजनाओं की रफ्तार इन दिनों काफी सुस्त पड़ गई है। हालात यह हैं कि जिला विकास की दौड़ में पीछे छूटता दिख रहा है। बुनियादी ढांचे में हो रही देरी और लंबे समय से जारी पिछड़ेपन की तस्वीर लोगों के धैर्य की परीक्षा ले रही है।

आवाजाही में भारी परेशानीः इसका ताजा उदाहरण खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर पोलो मैदान के पास बना वह पुल है, जो छह महीने पहले लगातार हुई बारिश में टूट गया था। हैरानी की बात यह है कि पुल टूटने के बाद बनाए जा रहे वैकल्पिक डायवर्जन का निर्माण कार्य भी अब तक अधूरा पड़ा है। इसके कारण स्थानीय लोगों को रोजमर्रा की आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

यह पुल ग्रामीणों के लिए जीवन रेखा है': स्थानीय निवासी राम मनोहर महतो और काशीनाथ महतो ने बताया कि यह पुल ग्रामीणों के लिए जीवन रेखा है। पुल नहीं होने के कारण उन्हें कई किलोमीटर लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर एक छोटे से डायवर्जन को बनाने में छह महीने लग जाते हैं, तो पूरा पुल बनने में कितने साल लगेंगे?

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर उदासीनता का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उनकी समस्याओं पर न तो ध्यान दिया जा रहा है और न ही अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की कोई गंभीरता दिख रही है।ग्रामीणों ने उठाया सवालः ग्रामीणों ने विडंबना का जिक्र करते हुए कहा कि जब किसी बड़े नेता का दौरा होता है तो रातों-रात सड़कें बन जाती हैं, पुल तैयार हो जाते हैं और पूरा इलाका चमका दिया जाता है। लेकिन जब गांववालों के लिए पुल बनाने की बात आती है, तो सिस्टम सुस्त पड़ जाता है। ग्रामीणों का सवाल है कि आखिर क्यों बिरसा मुंडा जैसी महान विभूति की जन्मभूमि को विकास कार्यों में लगातार उपेक्षित किया जा रहा है। जिस जिले का नाम राज्य की राजनीति में हमेशा आगे रहता है, वहां विकास की यह स्थिति प्रशासनिक लापरवाही और जनप्रतिनिधियों की संवेदनहीनता को उजागर करती है।

ट्रक चालक की हत्या कर आयरन रॉड लूटने में तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

गिरिडीह/ रांची : झारखंड पुलिस ने गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र में एक ट्रक चालक की हत्या कर आयरन रॉड लूटने की कोशिश करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पुलिस अधिकारियों ने दी। गिरिडीह के एसपी बिमल कुमार ने बताया कि बिहार के खगड़िया जिले के अलौली-लदौरा गांव निवासी ट्रक चालक धीरज कुमार का शव 16 नवंबर को संत रूपी जंगल के पास से बरामद किया गया था। उन्होंने बताया कि ट्रक को 18 नवंबर को दुमका जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के सरैयाहाट-हंसडीहा रोड के पास खड़ा हुआ पाया गया।

एसपी के अनुसार, ये तीनों आरोपी खुद भी ट्रक चालक हैं और मृतक को अच्छी तरह जानते थे। वे पिछले कुछ महीनों से इस वारदात की योजना बना रहे थे। पूछताछ में उन्होंने बताया कि उनका इरादा चालक की हत्या कर ट्रक और उस पर लदे आयरन रॉड को लूटने का था, जो हल्दिया (पश्चिम बंगाल) से बनारस (उत्तर प्रदेश) ले जाया जा रहा था।

पुलिस ने बताया कि परिचित होने के कारण आरोपियों ने बगोदर के पास चालक धीरज कुमार के आयरन रॉड लदे ट्रक को रोका। तीनों उसके साथ बैठकर शराब पीने लगे और उसे नशीला पदार्थ (गांजा) देकर बेहोश कर दिया। इसके बाद वे उसे संत रूपी जंगल ले गए, जहां उसकी पिटाई कर हत्या कर दी और शव को जंगल में फेंककर ट्रक लेकर फरार हो गए।

गिरफ्तार तीनों आरोपियों को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बगोदर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव ने बताया कि ट्रक और उस पर लदे आयरन रॉड की कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है।

बुली महतो की प्रतिमा का अनावरण व सांस्कृतिक कार्यक्रम 27 को

संवाददाता

सोनाहातुः झारखंड का इतिहास बेहद ही गौरवशाली रहा है। स्वतंत्रता संग्राम में इस क्षेत्र के कई वीर- वीरांगनाओं ने अपना सक्रिय योगदान दिया है। अत्याधुनिक ऐतिहासिक अनुसंधान से बुली महतो का साक्ष्य मिला है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान झारखंड एवं बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में बुली महतो ने अंग्रेजों के खिलाफ प्रत्यक्ष लड़ाई लड़ा था। प्राप्त दस्तावेज से ब्रिटिश हुकूमत ने उन्हें काला पानी की सजा दिया था।

स्वतंत्रता सेनानी बुली महतो के आदमकद प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम को सफल करने हेतु आज (सोमवार) उनके वंशज व परिवार के साथ सामूहिक बैठक हुआ। यह बैठक उनके पैतृक गांव कोड़ाडीह के दुर्गा मंडप प्रांगण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम

के आयोजन कर्ता देवेंद्र नाथ महतो को वंशजो व ग्रामीणों ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आर्थिक सहयोग दिया। चावल दाल व नगद राशि प्रदान किया गया।

बताते चले कि उनके जयंती के अवसर पर 27 नवंबर 2025 (गुरुवार) को बारुहातू पंचायत के भकुवाडीड मोड़ में प्रतिमा अनावरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाएगा। प्रशासनिक सूचनार्थ प्रदान कर दिया गयाहै। जिसमें डूंमरी विधायक जयराम कुमार महतो, पदम श्री सम्मानित मधु मंसूरी एवं सिल्ली विधानसभा पूर्व प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो, स्थानीय निर्वाचित मुखिया, ग्राम प्रधान व अन्य सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।भाजपा नेता सुनील कुमार सिंह अपने भतीजे नवीन की शादी समारोह में शामिल होकर शुभकामनाएं दीं।

काम में सहयोग करें ग्रामीणः अमित महतो

संवाददाता

सिल्ली : विधायक अमित महतो की गरिमामयी उपस्थिति में रविवार को गांव की बुजुर्ग महिला चारु देवी ने सिल्ली प्रखंड अंतर्गत लोदमू से लोसेरा भाया कोरियाटोली जामटोला तक विशेष मरम्मति कार्य की आधारशिला रखी। शिलान्यास के बाद विधायक ने लोगों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनी तथा समस्या के समाधान का

आश्वासन दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण अपने क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्य की निगरानी करें। निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं किया जायेगा। ठेकेदार से सरकार द्वारा निर्धारित तय मजदूरी का भुगतान लेना है। ग्रामीण काम पर नजर रखे किसी भी तरह की गड़बड़ी होने पर मुझे सूचित करें।

मौके पर झामुमो नेता सुयोग साहू ,विषम महतो, डॉ वकील महतो ,राजेश मांझी, लक्ष्मण मुंडा ,अमूल्य मांझी, लालू बेदिया ,लखिकांत बेदिया, दिनेश्वर मंडल ,केदार नाथ मंडल ,देवेंद्र मांझी , मांझी श्रीराम करमाली, विनोद कुमार महतो, लाल बहादुर महतो ,अशोक हजाम, भिरगु करमाली ,जिप सदस्य लक्ष्मी देवी, समाजसेवी मोतीलाल बेदिया व ग्रामीण उपस्थित थे।

झारखंड की सड़कों पर जल्द दौड़ेंगी इलेक्ट्रिक बसें

रांची: झारखंडवासियों के लिए बस में सफर करना अब आसान और मजेदार होने वाला है। दरअसल झारखंड की सड़कों पर अब इलेक्ट्रिक बसें दौड़ेगी। प्रदेश को अपनी पहली इलेक्ट्रिक बस की सेवा मिलने जा रही है, जो धनबाद से शुरू होगी। कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी धनबाद में 27 नवंबर को पहली इलेक्ट्रिक बस को हरी झंडी दिखाएंगे। दरअसल, परिवहन को आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। बता दें बीसीसीएल द्वारा दो इलेक्ट्रिक बसें विस्थापितों के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। दो इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसमें करीब 2.5 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

उपायुक्त ने टंडवा और सिमरिया में लगे शिविरों का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता

चतरा : उपायुक्त कीर्तिश्री ने सोमवार को टंडवा प्रखण्ड क्षेत्र में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टंडवा और कुपोषण उपचार केंद्र टंडवा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर की स्वच्छता, मरीजों को उपलब्ध उपचार सुविधा, दवाओं की स्थिति, पोषण उपचार से जुड़े प्रबंध तथा सभी चिकित्साकर्मियों की उपस्थिति का विस्तृत आकलन किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएँ जनता का मूल अधिकार हैं और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी। निरीक्षण के क्रम में सिविल सर्जन डॉक्टर जगदीश प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी टंडवा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी नीतू सिंह, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार और प्रखंड विकास पदाधिकारी टंडवा सहित जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के बाद उपायुक्त सिमरिया प्रखंड के इचाक पंचायत पहुँचीं, जहां आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम अंतर्गत चल रहे सेवा का सप्ताह शिविर का उन्होंने स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में उपस्थित लाभुकों से संवाद स्थापित किया तथा मौके पर ही धोती-साड़ी, जन्म प्रमाण पत्र, जॉब कार्ड, योजनाओं के स्वीकृति पत्र और अन्य प्रमाण-पत्रों का वितरण किया। उपायुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि सभी लाभुकों को योजनाओं का लाभ सरल, पारदर्शी और त्वरित प्रक्रिया के माध्यम से उपलब्ध कराया जाए ताकि जनसरोकार वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रभावी रूप से पूरा हो सके।सेवा का सप्ताह कार्यक्रम के तहत आज 24 नवंबर को जिले के चतरा प्रखंड के देवरिया, मोकतमा और आरा पंचायत, गिद्धौर प्रखंड के मंझगांवा पंचायत, हंटरगंज प्रखंड के नावाडीह पनारी, गोंसाईडीह, केदली कला, तिलहेत और उरैली पंचायत, प्रतापपुर प्रखंड के टण्डवा, रामपुर और प्रतापपुर पंचायत, कुन्दा प्रखंड के मरगड़ा पंचायत, लावलौंग प्रखंड के मंधनिया पंचायत, सिमरिया प्रखंड के कसारी और इचाक पंचायत, ईटखोरी प्रखंड के टोनाटांड और पितीज पंचायत, मयूरहंड प्रखंड के पेटादेरी पंचायत, कान्हाचट्टी प्रखंड के तुलबुल पंचायत, पत्थलगड़ा प्रखंड के सिंघानी पंचायत तथा टण्डवा प्रखंड के कोयद, पोकला उर्फ कसियाडीह और डहू पंचायत में शिविरों का आयोजन किया गया। इसी प्रकार नगर परिषद चतरा क्षेत्र में वार्ड संख्या 07 स्थित अटल क्लिनिक तथा वार्ड संख्या 08 और 09 स्थित कर्मचारी भवन में भी शिविर आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में लाभुक उपस्थित हुए और विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाया।जिला प्रशासन द्वारा 25 नवंबर को भी व्यापक पैमाने पर शिविरों के आयोजन का कार्यक्रम निर्धारित है, जिसके अंतर्गत चतरा प्रखंड के डाढा, पाराडीह और सिकिद पंचायत, गिद्धौर प्रखंड के पहरा पंचायत, हंटरगंज प्रखंड के जबड़ा, सलैया, कोबना और तरवागड़ा पंचायत, प्रतापपुर प्रखंड के चन्द्रीगोविन्दपुर, मोन्या और सिदकी पंचायत, कुन्दा प्रखंड के बोधाडीह पंचायत, लावलौंग प्रखंड के लावालौंग पंचायत, सिमरिया प्रखंड के सेरेनदाग, पीरी और हुरनाली पंचायत, ईटखोरी प्रखंड के हलमता और शहरजाम पंचायत, मयूरहंड प्रखंड के सोकी पंचायत, कान्हाचट्टी प्रखंड के राजपुर पंचायत, पत्थलगड़ा प्रखंड के नोंनगांव पंचायत तथा टण्डवा प्रखंड के किचटो, धनगड़ा और पदुमपुर पंचायत में शिविर लगाए जाएंगे। इसी क्रम में नगर परिषद चतरा के वार्ड संख्या 10 और 11 में जलछाजन भवन तथा वार्ड संख्या 12 और 16 में दिवानखाना चतरा में भी शिविरों का आयोजन किया जाएगा।इसके अतिरिक्त 22 नवंबर को जिले के विभिन्न प्रखंडों में आयोजित शिविरों में भी बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया। इस दिन चतरा प्रखंड के ब्रहमणा और बरैनी पंचायत, गिद्धौर प्रखंड के बारीसाखी पंचायत, हंटरगंज प्रखंड के दंतार, पैनीकला, कटैया, जोरी कला और करैलीवार पंचायत, प्रतापपुर प्रखंड के हुमाजांग और भरही पंचायत, कुन्दा प्रखंड के सिकीदाग पंचायत, लावलौंग प्रखंड के सिलदाग पंचायत, सिमरिया प्रखंड के जबड़ा और चोपे पंचायत, ईटखोरी प्रखंड के धूना और ईटखोरी पंचायत, मयूरहंड प्रखंड के फुलांग पंचायत, कान्हाचट्टी प्रखंड के कोल्हैया पंचायत, पत्थलगड़ा प्रखंड के बरवाडीह पंचायत और टण्डवा प्रखंड के सराढू, कबरा तथा बचरा उत्तरी पंचायत में शिविर संचालित हुए। इसी दिन नगर परिषद चतरा के वार्ड संख्या 02, 03 और 04 में आश्रयगृह डोमसीटवा तथा वार्ड संख्या 05 और 06 में म।वि। दिभा स्कूल में भी शिविर आयोजित किए गए, जिनमें कुल 13024 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 2867 आवेदनों का तत्काल निष्पादन किया गया, 20 आवेदन रिजेक्ट हुए, 10102 आवेदन लंबित हैं तथा 35 आवेदन इन प्रोग्रेस में हैं। उपायुक्त ने कहा कि सेवा का सप्ताह कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं को सीधे जनता तक पहुँचाना और पात्र लाभुकों को समयबद्ध तथा सरल प्रक्रिया के माध्यम से लाभ प्रदान करना है। उन्होंने सभी प्रखंडों को निर्देशित किया है कि शिविरों में आने वाले प्रत्येक लाभुक की समस्या का समुचित समाधान सुनिश्चित किया जाए और यह प्रयास किया जाए कि कोई भी योग्य नागरिक योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

नशे के खिलाफ एक्शन में रांची पुलिस

लाखों की ब्राउन शुगर के साथ आठ तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची में पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कारवाई करते हुए आठ तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह अभियान रांची के पुलिस कप्तान राकेश रंजन के निर्देश पर कांके और बरियातु थाना क्षेत्रों में 23 और 24 नवम्बर की रात चलाया गया। गिरफ्तार तस्करों के नाम अमित कुमार गुप्ता उर्फ बिट्टू, मुकेश कुमार यादव, मुन्ना यादव, चिकू यादव, सैयद समीर, बेबी परवीन, दीपक कुमार, राजू कुमार हैं।

तस्करों में एक महिला भी शामिल : सिटी एसपी पारस राणा और रुरल एसपी प्रवीण पुष्कर ने संयुक्त रूप से मीडिया को बताया

कि गुप्त सूचना मिली थी कि कांके क्षेत्र में नशे का कारोबार तेजी से चल रहा है। इस पर पुलिस टीम ने आईआईसीएम मैदान के पास छापेमारी की, जहां से चार लोगों को पकड़ा गया। उनके पास से करीब 50 ग्राम ब्राउन सुगर, एक किलो गांजा, मोबाइल, पैकिंग सामग्री, दो ऑटो और एक स्कूटी बरामद हुई। पूछताछ में मिले इनपुट के आधार पर कोंगे जयपुर गांव में सैयद समीर के घर दबिश दी गई। वहां से 105 ग्राम ब्राउन सुगर, 1.6 किलो गांजा, 1.81 लाख रुपये नकद, डिजिटल मशीन और बड़ी मात्रा में पैकिंग सामग्री जब्त हुई। मौके से समीर और उसकी पत्नी बेबी परवीन को गिरफ्तार किया गया।

21.50 लाख का मादक पदार्थ जब्तः इसके अलावा ओमनगर, गांधी नगर में दीपक कुमार के घर छापेमारी में 50 ग्राम ब्राउन सुगर, 60 हजार नकद और पैकिंग सामग्री मिली। दीपक की सूचना पर पुलिस ने पटना के बिहटा निवासी राजू कुमार को गिरफ्तार किया, जो नशे का सप्लायर बताया गया। कांके इलाके से कुल आठ आरोपियों के पास से 202 ग्राम ब्राउन सुगर, 2.5 किलो गांजा और 2.41 लाख रुपये नकद बरामद हुए, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 21.50 लाख रुपये है।

पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। रांची पुलिस ने कहा कि शहर से नशे के नेटवर्क को जड़ से समाप्त करने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अबुल कलाम आजाद जयंती- शिक्षा दिवस

हायर मुस्लिम एजुकेशनल सोसायटी ने शख्सियतों को किया सम्मानित

मेट्रो रेज

रांचीः हायर मुस्लिम एजुकेशनल सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित मौलाना अबुल कलाम आजाद जयंती शिक्षा दिवस के अवसर पर सोसायटी के अध्यक्ष (शासी निकाय) मोख्तार अंसारी एवं मौलाना आजाद कालेज के प्रिंसिपल डॉ. परवेज अख्तर ने संयुक्त रूप से सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट कार्य करने के फलस्वरूप सर्वधर्म सद्भावना समिति के अध्यक्ष मो. इसलाम, झारखंड मुस्लिम युवा मंच के अध्यक्ष शाहिद अय्यूबी, पार्षद नसीम गद्दी, मौलाना तौफीक कादरी एवं सामाजिक कार्यकर्ता मो. नईम को शाल,मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर मौलाना आजाद अवार्ड से नवाजते हुए वसम्मानित किया। उक्त अवसर पर सोसायटी के अध्यक्ष (शासी निकाय) मोख्तार अंसारी एवं मौलाना आजाद कालेज के प्रिंसिपल डॉ. परवेज अख्तर ने कहा कि सर्वधर्म के सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में उपरोक्त सभी लोगों को उत्कृष्ट सहयोग एवं सराहनीय भूमिका के फलस्वरूप सोसायटी द्वारा मौलाना आजाद डे के अवसर पर सम्मानित किया गया एवं आने वाले वर्ष में भी समाज हित में अच्छे कार्य करने वाले प्रबुद्ध लोगों को सोसायटी द्वारा सम्मानित किया जाएगा। उक्त अवसर पर अब्दुल खालिक (नन्हू), परवेज आलम, महमूद आलम, अमानुल्लाह एडवोकेट, प्रोफेसर मालती शर्मा, परवेज अहमद,गुलफरा, खालिद अहमद,मो. फारूक सहित हायर मुस्लिम एजुकेशनल सोसायटी रांची एवं मौलाना आजाद कालेज रांची के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इंडिया-साउथ अफ्रीका वनडे मैच के लिए टिकटों की बिक्री शुरू

सोमवार देर रात से लगी लंबी लाइन, जेएससीए स्टेडियम में खुले 6 काउंटर

संवाददाता

रांचीः 30 नवंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले पहले वनडे मैच के लिए टिकटों की बिक्री मंगलवार से शुरू हो गई। धुर्वा के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम के बाहर लगे 6 काउंटरों से टिकट की बिक्री शुरू हुई है। टिकट बिक्री के लिए स्टेडियम के वेस्ट गेट के पास 6 काउंटर लगा लग गए। क्रिकेट के चाहने वालों ने टिकट के लिए सोमवार देर रात से ही लाइन में लगना शुरू कर दिया था।

टिकट खरीदने के लिए आधार कार्ड अनिवार्य किया गया है। एक अधिकतम दो टिकट खरीद सकते है। जेएससीए ने महिला दर्शकों के लिए एक अलग काउंटर दिया है जिसमें दिव्यांग भी टिकट ले सकते है। वहीं दो काउंटर ऑनलाइन टिकट बुक

कराने वालों को टिकट उपलब्ध कराने के लिए है। शेष तीन काउंटर आम दर्शकों के लिए रखे गए हैं।

टिकट बिक्री की जानकारी उपलब्ध होने के बाद जेएससीए स्टेडियम के बाहर सोमवार रात से ही लोगों ने लाइन में लगना शुरू कर दिया था। कड़कड़ाती ठंड के बावजूद लोगों ने स्टेडियम के साउथ गेट के बाहर रात गुजारी और मैच का टिकट पाकर ही घर लौटे। दर्शकों के अंदर विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर ज्यादा जोश देखने को मिला। दोनों दिग्गजों के रांची में अंतिम मैच खेलने की संभावनाओं के बीच झारखंड ही नहीं बिहार से भी बड़ी संख्या में प्रशंसक क्रिकेट मैच का टिकट खरीदने के लिए लाइन में लगे। युवाओं के अंदर धौनी के बाद रोहित और विराट का क्रेज ज्यादा देखने को मिला।

30 नवंबर को दोपहर डेढ़ बजे से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच डे-नाइट मैच खेला जाना है, दोनों ही टीमें 27 नवंबर को रांची पहुंचेंगी जबकि 28 और 29 नवंबर को जेएससीए स्टेडियम में अभ्यास सत्र आयोजित होगा।

मैच को लेकर शहर में रौनक बढ़ गई है। होटलों, कैफे और खेल सामग्री की दुकानों पर भी भीड़ बढ़ गई है। क्रिकेट प्रेमियों में खासकर रांची के खिलाड़ियों महेंद्र सिंह धोनी की विरासत और नए खिलाड़ियों की मौजूदगी को लेकर विशेष उत्साह है।

एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल के संस्थापक का निधन

रांचीः हरमू रोड स्थित एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल के संस्थापक ललित नवी हेंब्रम का निधन 17 नवंबर 2025 को हो गया। शिक्षा और समाज सेवा में उनका योगदान महत्वपूर्ण था। विद्यालय परिसर में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनका अंतिम संस्कार रांची में आदिवासी रीति रिवाज के साथ हुआ।

उनके मार्गदर्शन में विद्यालय ने शिक्षा, शोध, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। स्व. हेंब्रम का व्यक्तित्व सरल, विनम्र और प्रेरक था। वे छात्रों, युवा शिक्षकों और समाज के लिए मार्गदर्शक तथा प्रेरणा स्त्रोत रहे। इस दौरान विद्यालय के निदेशक कुणाल कश्यप, प्राचार्य शादान आलम, उप प्राचार्य विकाश भार्गव समेत विद्यालय के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मोहम्मद साबिर हुसैन ने पेंटिंग बनाकर धर्मेंद्र को दी श्रद्धांजलि

रांचीः राजधानी रांची के जाने-माने कलाकार मोहम्मद साबिर हुसैन ने धर्मेंद्र की पेंटिंग बनाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी । उन्होंने कहा कि बचपन से धर्मेन्द्र मेरे पसंदीदा कलाकार रहे हैं। आज उनके निधन ने करोड़ों दिलों की तरह मुझे भी गहराई से प्रभावित किया है। एक छोटे कलाकार के रूप में मैंने उनकी स्मृति में उनकी पेंटिंग बनाकर श्रद्धांजलि अर्पित की है। यह पेंटिंग मेरे सम्मान, प्रेम और प्रेरणा का प्रतीक है। धर्मेन्द्र हमेशा भारतीय सिनेमा के स्वर्णिम अध्याय के रूप में याद किए जाते रहेंगे।

आधी रात प्रेमिका से मिलने पहुंचा युवक , परिजनों ने कराई शादी

गिरिडीहः झारखंड के गिरिडीह से एक बेहद ही चांकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक प्रेमी अपनी प्रेमिका को मिलने चोरी-छिपे उसके घर पहुंचा तो परिजनों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। फिर इसके बाद जो परिजनों ने फैसला लिया पूरे गांव में उसकी चर्चा हो रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, युवक सोनू कुमार अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए रात में सलैया गांव पहुंचा। वहीं जब वह अपनी प्रेमिका से मिलकर घर से भागने लगा तो परिजनों ने युवक को पकड़ लिया। फिर पूरे गांव में बात फैल गई आर लोग इकट्ठे हो गए। ग्रामीणों ने आपस में सलाह कर फैसला लिया कि दोनों के प्यार को सामाजिक मान्यता दे दी जाए। फिर मंदिर में ले जाकर दोनों की शादी करवा दी।

मुर्गी पालन योजना में अनियमितता, लाभुकों का आरोप, चूजे वितरण में किया जा रहा घोटाला

खूंटीः झारखंड मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के मुर्गी पालन योजना में अनियमितता का मामला सामने आया है। योजना के अनुसार 500 आर 400 की जगह लाभुकों को 360 मुर्गी के चूजे मिल रहे हैं। जहां 200 चूजे देना है, वहां 180 चूजे दिए जा रहे हैं। इसे लेकर लाभुकों ने नाराजगी जताई है। मामले में मुखिया ने कहा कि योजना के नाम पर पंचायतों में बांटे जा रहे मुर्गी के चूजों में घोटाला हो रहा है। इस बात की जानकारी जब पशुपालन पदाधिकारी तक पहुंची तो उन्होंने जांच कर कार्रवाई करने का दावा किया है।

योजना के अनुरूप चूजों का नहीं किया गया वितरणः दरअसल, झारखंड मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत लाभार्थी को ब्रायलर मुर्गी पालन योजना के लिए 500 चूजे आर बैकयार्ड लेयर कुक्कुट योजना के तहत 400 चूजे देने का लक्ष्य है। चूजों के अलावा दाना आर दवाइयां भी दी जानी हैं, लेकिन विभाग द्वारा लाभुकों को कम चूजे बांटे जा रहे हैं। यह मामला खूंटी प्रखंड क्षेत्र के मुरही पंचायत आर तिलमा पंचायत क्षेत्र का है। जहां लाभुकों ने कम चूजे मिलने की शिकायत की है। लाभुकों का कहना है कि उन्हें योजना से जोड़ा गया है, लेकिन उन्हें योजना के अनुरूप चूजों का वितरण नहीं किया गया। लाभुकों ने कहा कि 120 से 180 पीस तक ही चूजे दिए गए हैं। लाभुकों ने इसकी शिकायत की है लेकिन अभी तक इसका समाधान नहीं हुआ है।

चूजे वितरण में की गई गड़बड़ी : मुरही पंचायत के मुखिया भादवा उरांव ने बताया कि विभाग द्वारा पंचायत क्षेत्र में योजना के तहत जनप्रतिनिधियों को बुलाए बगैर ही चूजों का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ जगहों पर उन्हें बुलाया गया था, वहां गड़बड़ी नहीं हुई। लेकिन जहां जनप्रतिनिधि नही पहुंचे वैसी जगहों पर योजना में गड़बड़ी की गई है। मुखिया ने कहा कि इस योजना के तहत हुए अनियमितता की जांच आर वितरण करने वाली एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

जांच कर की जाएगी कार्रवाईः पशुपालन पदाधिकारी वहीं, पशुपालन पदाधिकारी अभिमन्यु कुमार ने बताया कि गरीब किसानों को योजना का लाभ दिया जाता है। इस योजना के अनुसार जितने भी लाभुकों को चूजे वितरण किए गए है, स्थानीय जनप्रतिनिधियों की माजूदगी में दिया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ लाभुकों से शिकायतें मिली हैं, जिसका समाधान किया जा रहा है। साथ ही यदि किसी क्षेत्र में गड़बड़ी हुई है तो इसकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

हाड़ कंपाने वाली सर्दी का कहर, 4 डिग्री तक गिरेगा तापमान, शीत लहर की चपेट में कई जिले

संवाददाता

रांचीः राज्य में लोगों को कड़ाके की सर्दी का सामना करना पड़ सकता है। शीत लहर चलने की वजह से ठंड का प्रकोप बढ़ेगा और जिस वजह से तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा सकती है। न्यूनतम तापमान में आज 4 से 5 डिग्री की गिरावट दर्ज की जाने की संभावना है। वहीं न्यूनतम तापमान 10 से 11 डिग्री के बीच में रहेगा। राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में भी सुबह-शाम ठिठुरन काफी बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में घना कोहरा छाया है, जिससे आवागमन में परेशानी हो रही है।

शीत लहर की चपेट में ये जिलेः पलामू, कोडरमा, चतरा, गढ़वा लातेहार और लोहरदगा में शीतलहर की चेतावनी है जिस कारण इन इलाकों में ठंड का प्रकोप रहेगा। तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग के अनुसार 25 नवंबर से पूरे राज्य में कनकनी महसूस होगी और ठंड में धीरे-धीरे बढ़ोतरी जारी रहेगी। वहीं 26, 27 और 28 नवंबर को सुबह हल्की धुंध और दिन में छिटपुट बादल दिखाई दे सकते हैं, हालांकि बारिश की कोई संभावना नहीं है। शाम के वक्त कई इलाकों में आर्द्रता घटकर 40 से 60 प्रतिशत तक आने से मौसम शुष्क रहेगा।

रांची मौसम केंद्र के उप-निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि तापमान में गिरावट उत्तर-पश्चिमी हवा के कारण हो रही है, जो झारखंड के निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर सक्रिय है। उन्होंने कहा, अगले कुछ दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है। इसके बाद इसमें दो से चार डिग्री की वृद्धि हो सकती है।

लोगों को ठंड से बचने की सलाहः विभाग ने नागरिकों को सलाह दी है कि बदलते तापमान को देखते हुए गर्म कपड़ों की तैयारी कर लें। घने कोहरे और तेज ठंडी हवा का सबसे अधिक असर बच्चों, बुजुर्गों और सुबह-शाम बाहर रहने वाले लोगों पर पड़ रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि अचानक तापमान गिरने से सर्दी, खांसी, सांस की दिक्कत और ब्रेन स्ट्रोक के मामले बढ़ रहे हैं। लोगों को ठंड से बचाव के आवश्यक उपाय अपनाने चाहिए।

भू-अर्जन वाद सं०–35/2024–25

झारखण्ड सरकार, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग
(जिला भू-अर्जन कार्यालय, राँची)

प्रारंभिक अधिसूचना (अधिनियम–30/2013 की धारा–19 (1) के अधीन)
"बन्ता–राहे बुण्डू पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य परियोजना"

चूँकि झारखण्ड सरकार/सनाहर्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा "बन्ता–राहे बुण्डू पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य परियोजना" हेतु मौजा–होटलो, थाना संख्या–95, अंचल–राहे, जिला–राँची में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश रकबा–0.995 एकड़ भूमि अपेक्षित है।

इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू–खण्ड है, जो मानक माप से कमोवेश रकबा–0.995 एकड़ है, जो मौजा–होटलो, थाना संख्या–95, अंचल–राहे, जिला–राँची में है, जिसकी विवरणी निम्नलिखित है:–

मौजा–होटलो

क्र० सं०	खाता सं०	सर्वे प्लॉट सं०	भूमि का वर्गीकरण	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं०) उ०	द०	पू०	प०
01	18	692	दोन तीन	0.092	जेढ़ा अहीर वल्द बाबु अहीर, तारा अहीर	691	693	रोड	692
02	18	711	मकान/1 सहन/1	0.008	जेडा अहीर वल्द बाबु अहीर, तारा अहीर	712	708	708	रोड
03	18	712	टाड़ एक	0.034	जेढ़ा अहीर वल्द बाबु अहीर, तारा अहीर	713	711	714	रोड
04	18	713	दोन तीन	0.038	जेढ़ा अहीर वल्द बाबु अहीर, तारा अहीर	715	712	715	685
05	21	704	टाड़ एक	0.022	हरिपद मॉझी, देवेन्द्रनाथ मॉझी, दुर्गा चरण मॉझी, गोबी मॉझी, गुहीया मॉझी वगैरह	709	703	705	रोड
06	21	703	टाड़ एक	0.034	हरिपद मॉझी, देवेन्द्रनाथ मॉझी, दुर्गा चरण मॉझी, गोबी मॉझी, गुहीया मॉझी, तना मॉझी, लावन मॉझी वगैरह	704	698	705	रोड
07	23	990	टाड़ तीन	0.033	गोबरा गोंझु, जगरनाथ गोंझु, मंगल गोंझु	990	991	989	रोड
08	23	991	टाड़ दो	0.018	गोबरा गोंझु, जगरनाथ गोंझु, मंगल गोंझु	990	992	989	रोड
09	23	992	टाड़ एक	0.020	गोबरा गोंझु, जगरनाथ गोंझु, मंगल गोंझु	991	993	989	रोड
10	23	993	मकान/1 सहन/1	0.038	गोबरा गोंझु, जगरनाथ गोंझु, मंगल गोंझु	992	994	989	रोड
11	23	994	टाड़ एक	0.021	गोबरा गोंझु, जगरनाथ गोंझु, मंगल गोंझु	993	995	995	रोड
12	23	995	टाड़ एक	0.036	गोबरा गोंझु, जगरनाथ गोंझु, मंगल गोंझु	994	1004	1003	रोड
13	24	1004	टाड एक	0.027	गोबरा गोंझु, जगरनाथ गोंझु, मंगल गोंझु	995	759	1003	रोड
14	75	759	दोन तीन	0.007	उपेन्द्र मॉझी, नगेन मॉझी, शीतप्रसाद मॉझी, शशी प्रसाद मॉझी, छुटुवा मॉझी, सुरेन्द्र मॉझी, नवो मॉझी वगैरह	रोड	767	758	रोड
15	77	677	टाड़ तीन	0.071	मोदन महतो वो रामेश्वर महतो, पिता–तुडु महतो, हरीय महतो, पिता–कोदना महतो	674	671	676	681
16	77	691	टाड़ तीन	0.261	मोहन महतो, रामेश्वर महतो, पिता–बुधु महतो, हड़िया महतो, वगैईला महतो	690	692	685	691
17	77	693	दोन तीन	0.040	मोहन महतो, रामेश्वर महतो, पिता–बुधु महतो, हड़िया महतो, वगैईला महतो	692	694	रोड	693
18	77	694	टाड़ तीन	0.031	मोहन महतो, रामेश्वर महतो, पिता–बुधु महतो, हड़िया महतो, वगैईला महतो	693	695	रोड	694
19	77	708	मकान/3 सहन/1	0.004	मोहन महतो, रामेश्वर महतो, पिता–बुधु महतो, हड़िया महतो, वगैईला महतो	711	710	714	रोड
20	77	709	टाड एक	0.031	मोहन महतो, रामेश्वर महतो, पिता–बुधु महतो, हड़िया महतो, वगैईला महतो	710	704	711	रोड
21	77	710	मकान/2 सहन/1	0.011	मोहन महतो, रामेश्वर महतो, पिता–बुधु महतो, हड़िया महतो, वगैईला महतो	708	709	709	रोड
22	77	715	दोन तीन	0.042	मोहन महतो, रामेश्वर महतो, पिता–बुधु महतो, हड़िया महतो, वगैईला महतो	677	713	677	685
23	101	1005	टाड एक	0.020	रघु गौंझु वल्द सीताराम गौंझु	696	1007	1003	रोड
24	उ।	697	ऑनलाईन खतियान उपलब्ध नहीं है।	0.056	मोहन महतो, रामेश्वर महतो, पिता–बुधु महतो	698	696	699	रोड
			कुल	0.995					

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम संख्या–30/2013 की धारा 15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जाँच के पश्चात् किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत् है :–

ग्राम–XXX, थाना संख्या–XXX, अंचल–XXX, जिला–XXX, क्षेत्रफल–XXX एकड़, जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

ह०/–
उपायुक्त, राँची।

PR.NO.366979 Land Reforms(25-26):D

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

इंडिया अस्तित्व में या नहीं?

बिहार में करारी पराजय के बाद विपक्ष एक बार फिर विभाजित होता लग रहा है। इंडिया ब्लॉक अथवा महागठबंधन कभी अस्तित्व में थे अथवा नहीं, यह भी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि उनके घटक दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते रहे हैं। बिहार इसका ताजातरीन उदाहरण है। अब दो विरोधाभासी बयान सामने आए हैं। एक तो इंडिया गठबंधन को लेकर है कि अब उसकी कोई जरूरत नहीं है, लिहाजा कांग्रेस ने राजद और सपा से अलग होने की घोषणा की है। जिन सूत्रों से यह खबर सार्वजनिक हुई, उनका दावा है कि यह खुद गांधी परिवार का निर्णय है। लेकिन कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस निर्णय का खंडन किया है। अलबत्ता यह घोषणा जरूर की गई है कि पश्चिम बंगाल, असम के चुनाव में कांग्रेस एकला ही लड़ेगी। केरल में न तो इंडिया था और न ही गठबंधन संभव है, क्योंकि वहां कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल है और 10 साल से सत्ता के बाहर है। वाममोर्चा सरकार में है। तमिलनाडु में भी चुनाव 2026 के अप्रैल-मई में होने हैं। अभी तक द्रमुक सरकार के सहारे कांग्रेस सत्ता में भागीदार है। नए समीकरणों की फिलहाल कोई घोषणा नहीं है। कांग्रेस बीते 58 साल से तमिलनाडु में अपना मुख्यमंत्री निर्वाचित नहीं करा पाई है। बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस आधी-अधूरी ही इंडिया गठबंधन में है। वह इस गठबंधन के घटक होने का दावा तो करती रही है, लेकिन कांग्रेस सरीखे प्रमुख घटक दल के साथ गठबंधन नहीं करती। दोनों संसदीय और विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ते हैं। इस बार भी गठबंधन के कोई आसार नहीं हैं, क्योंकि अब कांग्रेस एकला ही अपनी राजनीतिक लड़ाई लड़ने के मूड में है या उसकी राजनीतिक बाध्यता है। सवाल है कि जब ऐसी स्थिति है, तो बिहार की पराजय के बाद ममता बनर्जी के चंपुओं ने यह शोर मचाना क्यों शुरू किया कि ममता को इंडिया गठबंधन का नेतृत्व सौंपना चाहिए। एक और आवाज उप्र से गूंजने लगी है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को इंडिया ब्लॉक का प्रमुख चुनना चाहिए। उप्र में 2027 में विधानसभा चुनाव हैं। लोकसभा में भाजपा के 240 और कांग्रेस के 99 सांसदों के बाद सपा 37 सांसदों वाली तीसरी बड़ी पार्टी है। उप्र में 1989 और बंगाल में 1977 के बाद कांग्रेस सत्ता में नहीं है, लेकिन इंडिया गठबंधन का आकलन किया जाए, तो कांग्रेस के बिना विपक्षी गठबंधन के अस्तित्व की कल्पना ही नहीं की जा सकती। कांग्रेस बनाम सपा, तृणमूल, द्रमुक के दरमियान, निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों के आधार पर, फासले बेहद व्यापक हैं। यदि इंडिया के अस्तित्व को बरकरार रखना है, तो कांग्रेस के नेतृत्व को नकारना असंभव है। फिर वह नेतृत्व मल्लिकार्जुन खडगे का हो अथवा राहुल गांधी का हो! दरअसल कांग्रेस ही इंडिया गठबंधन की बुनियाद है। उसकी अपनी तीन राज्य सरकारें हैं और 650 से अधिक विधायक हैं। लोकसभा में कांग्रेस के 99 सांसदों के योगदान से ही विपक्षी गठबंधन के सांसदों की संख्या 234 तक पहुंच पाई है, नतीजतन राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं। भारत में विपक्षी गठबंधन का कोई भी प्रयोग सफल नहीं रहा है। वह टूटने के लिए बनता रहा है। चूंकि गठबंधन बना है, लिहाजा टूटना उसकी नियति है। गठबंधन का सफलतम प्रयोग जनता पार्टी का रहा। समूचे विपक्षी दलों के आपसी विलय के बाद जनता पार्टी का स्वरूप सामने आया था, लेकिन वह भी पौने तीन साल के बाद टूट गया। गठबंधन के कारण वीपी सिंह, देवेगौड़ा, इंदर कुमार गुजराल आदि अल्पकालिक प्रधानमंत्री जरूर बने, लेकिन उनकी सरकारें एक साल भी नहीं चल सकीं। देवेगौड़ा और गुजराल सरकारों को तो कांग्रेस बाहर से समर्थन दे रही थी। केंद्र के स्तर पर यूपीए गठबंधन इसलिए लगातार 10 साल सत्ता में रहा, क्योंकि कांग्रेस ही गठबंधन की बुनियाद थी। वामपंथी दलों और अन्य पार्टियों ने उसके साथ गठबंधन किया था। यही प्रयोग अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में किया गया, जब अन्य दलों ने भाजपा के साथ गठबंधन बनाया और उसे एनडीए नाम दिया गया। वह गठबंधन आज भी कई राज्यों और केंद्र सरकार में है। बहरहाल आज इंडिया ब्लॉक या कोई और गठबंधन जिंदा रखना है, तो कांग्रेस को खुले मन से और हर चुनाव के स्तर पर स्वीकार करना होगा। कांग्रेस के बिना विपक्ष का मोर्चा बनाना संभव भी नहीं है। आखिर कांग्रेस सबसे पुरानी पार्टी के साथ-साथ राष्ट्रीय पार्टी भी है। चुनाव में भले ही उसे हार का सामना करना पड़ा है, लेकिन अब भी वह राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर पहचान बनाए हुए है।

यह देश मुसलमानों का भी..

डॉक्टर जाकिर हुसैन स्वतंत्रता सेनानी, भारत के तीसरे राष्ट्रपति एवं प्रथम मुस्लिम राष्ट्रपति थे। डॉ. फखरुद्दीन अली अहमद और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम भी मुस्लिम राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। एपीजे को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत-रत्न से भी नवाजा गया। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में पोखरण में जो पांच परमाणु परीक्षण किए गए थे, एपीजे उनके सूत्रधार वैज्ञानिकों में भी एक थे। मुहम्मद हिदायतुल्ला देश के प्रथम मुस्लिम प्रधान न्यायाधीश थे। उन्हें बाद में उपराष्ट्रपति बनाया गया। जब 1982 में तत्कालीन राष्ट्रपति जैल सिंह को स्वास्थ्य कारणों से विदेश जाना पड़ा, तो हिदायतुल्ला को कार्यवाहक राष्ट्रपति का दायित्व भी सौंपा गया। कई मुस्लिम सांसद और विधायक भी देश में कार्यरत हैं। यही नहीं, जफर सैफुल्लाह को 1993-94 में देश के सर्वोच्च नौकरशाह कैबिनेट सचिव पद पर नियुक्त किया गया था। खुफिया एजेंसी आईबी के निदेशक भी मुसलमान रहे हैं। बेशक दोनों शीर्ष अधिकारी आईएएस थे। अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनेक खिलाड़ी मुस्लिम रहे हैं। बॉलीवुड के तीन सुपर स्टार-शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान-भी मुस्लिम हैं और देश में खूब लोकप्रिय हैं। यह देश 146 करोड़ से अधिक लोगों का है, लिहाजा मुस्लिम चेहरों को क्या सम्मान दिए गए, कितने निर्णायक ओहदे दिए गए, कौन मंत्री-मुख्यमंत्री भी बने, उन पर एक मोटा ग्रंथ लिखा जा सकता है। दरअसल स्वतंत्र अभिव्यक्ति और वैचारिकता के इस देश में मौलाना अरशद मदनी सरीखे घोर कट्टरपंथी और सांप्रदायिक जहर फैलाने वाले चेहरे भी हैं, जो आज तक मुस्लिम वाइस चांसलर पर ही अटके हैं। यह कथन क्षम्य हो सकता है, लेकिन यह अक्षम्य और देशद्रोह की श्रेणी का कथन है कि मुल्क की सरकार मुसलमानों के पैरों तले की जमीन भी छीन लेना चाहती है। मुसलमानों के साथ भेदभाव बरता जा रहा है। मुस्लिम लड़कियों के स्कूल भी अलग होने चाहिए। मदनी ने अलफलाह यूनिवर्सिटी के भीतर का डॉक्टर आतंकी मॉड्यूल का बचाव किया है। उन्हें दिल्ली विस्फोट से कोई चिंता और सरोकार नहीं। विस्फोटक 3000 किग्रा से अधिक और लॉकर में हथियार बरामद किए गए हैं, वे कहां से आ गए और कौन लाया? मदनी की सोच हो सकती है कि यदि कोई मुसलमान बड़ा बनने की कोशिश करेगा, तो आजम खान की तरह जेल में जाएगा। फिर कितने साल जेल में ही सड़ना पड़ेगा, कुछ कहा नहीं जा सकता।

अयोध्या में ध्वजारोहण: सनातन परंपरा के पुनर्जागरण का क्षण

‘अयोध्या का यह ध्वजारोहण विश्वभर के रामभक्तों के लिए भी एक अनोखा संदेश लेकर आएगा। जब भगवा ध्वज मंदिर के शिखर पर लहराएगा, तब यह केवल एक शहर का दृश्य नहीं होगा, बल्कि उन सभी लोगों के लिए एक प्रतीक होगा जो भारत की आध्यात्मिक विरासत से जुड़ाव महसूस करते हैं। यह ध्वज याद दिलाएगा कि धर्म पूजा-पाठ का विषय भर नहीं; यह जीवन का अनुशासन, समाज का नियमन और राष्ट्र की आत्मा का प्राण है। इस क्षण के साथ भारतीय सभ्यता के मूल्यों का एक नया अध्याय आरंभ होगा, जो न केवल धार्मिक भावनाओं को, बल्कि सामूहिक चेतना को भी सुदृढ़ करेगा।’

महेन्द्र तिवारी

अयोध्या एक बार फिर इतिहास के ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां धर्म, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना एक साथ संगठित होकर एक नए युग का संकेत दे रहे हैं। 25 नवंबर 2025 को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा धर्मध्वज का ध्वजारोहण उसी चेतना का उत्सव है–एक धार्मिक आयोजन से कहीं अधिक, यह भारत की आत्मा में निहित सनातन परंपरा और उसके पुनर्जागरण का उद्घोष है। जो दृश्य उस दिन अयोध्या के आकाश में

उकेरा जाएगा, वह केवल मंदिर की ऊँचाइयों तक सीमित नहीं रहेगा; वह करोड़ों भारतीयों के मन, विश्वास और स्मृतियों में अमिट रूप से अंकित होगा। श्रीराम जन्मभूमि का पुनर्निर्माण अपने आप में एक लंबी सांस्कृतिक यात्रा का परिणाम है। 5 अगस्त 2020 को

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखी गई आधारशिला ने जिस परिवर्तन की शुरूआत की थी, उसे 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने एक व्यापक आध्यात्मिक आयाम प्रदान किया। लगभग पाँच वर्षों की सतत साधना, निर्माण और संगठित प्रयासों के बाद मंदिर अपने पूर्ण रूप में खड़ा हुआ। अब, जब शिखर पर धर्मध्वज फहरने वाला है, यह न केवल निर्माण की भौतिक पूर्णता का प्रतीक है, बल्कि उस सांस्कृतिक संकल्प की परिणति भी है, जो सदियों से भारतीय समाज में जीवित रहा–चाहे समय कितना कठिन क्यों न रहा हो।

मंदिर के शिखर पर धर्मध्वज फहराना कोई साधारण परंपरा नहीं। सनातन धर्म की मान्यता में ध्वज देवता की उपस्थिति, ऊर्जा और संरक्षण का चिन्ह माना जाता है। गरुड़ पुराण सहित विभिन्न ग्रंथ इस परंपरा के महत्व को स्पष्ट करते हैं। अयोध्या में फहराया जाने वाला भगवा ध्वज वीरता, त्याग और संकल्प का रंग लिए हुए है–रघुकुल की उस गौरवशाली विरासत का प्रतीक, जिसमें सत्य और मर्यादा को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। ध्वज पर अंकित सूर्य इक्ष्वाकु वंश की निरंतरता का प्रतीक है, ॐ समस्त ब्रह्मांड की चेतना का, और कोविदार वृक्ष अयोध्या की सांस्कृतिक स्मृति का। ये तीनों प्रतीक मिलकर एक ऐसी पहचान निर्मित करते हैं, जो आधुनिक भारत को अपनी जड़ों से जोड़ती है। ध्वजारोहण का दिन, 25 नवंबर, संयोगवश विवाह पंचमी भी है। परंपरा के अनुसार इसी तिथि पर त्रेतायुग में प्रभु राम और माता सीता का विवाह संपन्न हुआ था। यह तिथि विवाह, सामंजस्य और पवित्र संबंधों का प्रतीक है। ऐसे पावन दिन मंदिर के शिखर पर धर्मध्वज का आरोहण समाज को संतुलन, शांति और धर्म की पुनर्स्थापना का संदेश देता है। यही कारण है कि यह आयोजन केवल धार्मिक रस्म नहीं लगता, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव का भी रूप ले लेता है। ध्वज का निर्माण और उसकी संरचना भी आधुनिक भारत के तकनीकी आत्मविश्वास की झलक देती है। इसे मजबूत पैराशूट फैब्रिक से तैयार किया गया है ताकि यह तेज हवाओं में भी अडिग लहराता रहे। 42 फुट ऊँचे लोहे के ध्वजदंड को 360 डिग्री घूमने वाली बॉल बेयरिंग तकनीक से सुसज्जित किया गया है, जो गतिशीलता और अनुकूलनशीलता का प्रतीक है। यह ध्वज केवल किसी धार्मिक स्थल पर फहरने वाला निशान नहीं, बल्कि एक ऐसी जीवंत सांस्कृतिक धुरी है, जो परिवर्तन के साथ भी अपनी आत्मा को स्थिर रखती है–एक ऐसा धर्मचक्र जो रुकता नहीं, बदलता है और प्रेरित करता है। इस भव्य आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति इसे राष्ट्रीय महत्व का स्वर देती है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और देशभर के संत-महंतों एवं विद्वानों की मौजूदगी इसे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक नेतृत्व का समागम बनाती है। जब इतने विविध पक्ष एक मंच पर एक ही उद्देश्य के लिए एकत्र होते हैं, तो यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं रहता–यह समाज में एकता, समरसता और साझा मूल्यों की पुनर्पुष्टि भी बन जाता है। ध्वजारोहण का राजनीतिक आयाम भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। यह आयोजन उस सांस्कृतिक राजनीति का हिस्सा है, जिसने भारत में अपनी जड़ों की ओर लौटने की एक नई धारणा को जन्म दिया है। लंबे समय तक विभाजन, दमन और वैचारिक संघर्षों के बाद भी भारतीय समाज ने अपनी सांस्कृतिक पहचान को सँजोकर रखा, और आज वह पहचान पुनः सार्वजनिक जीवन में पूरी शक्ति और सक्रियता के साथ उभर रही है। कुछ आलोचक इसे राजनीतिकरण कह सकते हैं, लेकिन लाखों लोगों के लिए यह आत्मसम्मान, सांस्कृतिक पुनरुत्थान और इतिहास की न्यायपूर्ण पुनर्स्थापना का क्षण है। अयोध्या का यह ध्वजारोहण विश्वभर के रामभक्तों के लिए भी एक अनोखा संदेश लेकर आएगा। जब भगवा ध्वज मंदिर के शिखर पर लहराएगा, तब यह केवल एक शहर का दृश्य नहीं होगा, बल्कि उन सभी लोगों के लिए एक प्रतीक होगा जो भारत की आध्यात्मिक विरासत से जुड़ाव महसूस करते हैं। यह ध्वज याद दिलाएगा कि धर्म पूजा-पाठ का विषय भर नहीं; यह जीवन का अनुशासन, समाज का नियमन और राष्ट्र की आत्मा का प्राण है। इस क्षण के साथ भारतीय सभ्यता के मूल्यों का एक नया अध्याय आरंभ होगा, जो न केवल धार्मिक भावनाओं को, बल्कि सामूहिक चेतना को भी सुदृढ़ करेगा। अंततः यह आयोजन केवल एक ध्वज के फहरने का दृश्य भर नहीं है। यह एक लंबी प्रतीक्षा, संघर्ष, विश्वास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का फल है। यह वह क्षण है जब इतिहास वर्तमान से मिलता है और भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। अयोध्या का यह उत्सव हमें याद दिलाता है कि परंपराएँ केवल अतीत का बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा भी होती हैं। श्रीराम जन्मभूमि के शिखर पर फहराया जाने वाला धर्मध्वज आने वाली पीढ़ियोंको भी यही संदेश देगा–धर्म, मर्यादा, समरसता और सत्य की विजय सनातन है। जय श्रीराम।

संविधान दिवस: बदलते भारत की लोकतांत्रिक धड़कन

‘देश भर में संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम—चाहे न्यायालयों में प्रस्तावना का पाठ हो, विद्यालयों में निबंध और वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ हों, या सरकारी संस्थानों में जागरूकता अभियान—इनका उद्देश्य यही है कि नागरिक, विशेषकर युवा पीढ़ी, संवैधानिक नैतिकता को समझे और आत्मसात करे। यह अत्यंत आवश्यक भी है, क्योंकि लोकतांत्रिक समाज तभी मजबूत होता है जब उसके नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जितने सजग हों, उतने ही कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्ध भी हों।’

महेन्द्र तिवारी

भारत में हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है–एक ऐसा दिन जो केवल ऐतिहासिक स्मृति नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा से सीधा जुड़ा हुआ उत्सव है। यह वही तारीख है जब 1949 में संविधान सभा ने गहन विचार-विमर्श और लगभग तीन वर्षों की कठिन परिश्रमपूर्ण प्रक्रिया के बाद भारतीय संविधान को औपचारिक रूप से स्वीकार किया। यह दस्तावेज मात्र कानूनों का संग्रह नहीं, बल्कि स्वतंत्र भारत की सामूहिक आकांक्षाओं, संघर्षों और भविष्य के सपनों का जीवंत घोषणापत्र है। संविधान का निर्माण उस दौर में हुआ जब देश औपनिवेशिक शोषण से निकलकर लोकतांत्रिक स्वतंत्रता की ओर बढ़ रहा था, और इसके निमार्ताओं ने यह सुनिश्चित किया कि यह संविधान न केवल तत्कालीन भारत की आवश्यकताओं को पूरा करे, बल्कि आने वाले समय की विषमताओं और चुनौतियों का भी सामना कर सके।

संविधान बनने की प्रक्रिया अपने आप में एक महान लोकतांत्रिक साहसिक कार्य थी। 9 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की पहली बैठक हुई, और इसके साथ ही एक नए राष्ट्र की रूपरेखा लिखे जाने का दायित्व शुरू हुआ। लगभग 2 साल 11 महीने और 18 दिन–यानी 166 बैठकों के दौरान–इस सभा ने भारत की विविध भाषा, संस्कृति, विचारधाराओं और सामाजिक संरचनाओं को समझते हुए एक ऐसा दस्तावेज तैयार किया जो विश्व में सबसे विस्तृत और व्यवहारिक संविधानों में आज भी गिना जाता है। 26 नवंबर 1949 को इसे सदन ने अपनाया और दो महीने बाद, 26 जनवरी 1950 से लागू करते हुए भारत को एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया। यही कारण है कि गणतंत्र दिवस का उत्सव भी इसी दिन मनाया जाता है।

संविधान दिवस का औपचारिक उत्सव 2015 में शुरू हुआ, जब भारत सरकार ने डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की 125वीं जयंती को विशेष रूप से चिह्नित करने का निर्णय लिया। डॉ. आंबेडकर को भारतीय संविधान का मुख्य शिल्पकार माना जाता है। उन्होंने न केवल संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष के रूप में अपनी विद्वता और दूरदर्शिता का परिचय दिया, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि स्वतंत्र भारत की नींव सामाजिक न्याय, समानता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर टिकी रहे। उनका योगदान केवल विधिक नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी आधार था। संविधान के माध्यम से उन्होंने भारत को न केवल अधिकारों से समृद्ध किया, बल्कि नागरिकों को उनके कर्तव्यों के प्रति भी सजग किया। संविधान की प्रस्तावना में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व–ये केवल शब्द नहीं, बल्कि भारतीय समाज के निर्माण के मूल स्तंभ हैं।

आज जब संविधान दिवस मनाया जाता है, तो यह केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर भी है। संविधान हमें लगातार यह याद दिलाता है कि लोकतंत्र केवल चुनावों या सरकारों तक सीमित नहीं होता, बल्कि नागरिक चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व और पारस्परिक सम्मान पर आधारित होता है। हमारा संविधान जीवित दस्तावेज इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह समाज की बदलती आवश्यकताओं के साथ स्वयं को संशोधित करता है। इसके तहत अब तक अनेक संशोधन किए जा चुके हैं, जो यह दर्शाते हैं कि भारतीय लोकतंत्र संवाद, सुधार और विकास की प्रक्रिया से लगातार गुजरता रहता है। संविधान दिवस की सबसे बड़ी महत्ता इस बात में निहित है कि यह नागरिकों को उनके अधिकारों के साथ-साथ उनके कर्तव्यों की याद भी दिलाता है। मौलिक कर्तव्य केवल संविधान में लिखे शब्द नहीं, बल्कि नागरिक जीवन की नैतिक दिशा हैं, जो हमें राष्ट्र, समाज और अगली पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदार बनाते हैं। आज के समय में, जब डिजिटल मीडिया, सामाजिक संवाद और विचारों का प्रवाह बेहद तीव्र हो चुका है, संविधान के मूल्यों की प्रासंगिकता पहले से अधिक बढ़ गई है। यह मूल्य हमें सहिष्णुता, विवेक, समान अवसर और न्याय के मार्ग पर बनाए रखते हैं–चाहे राजनीतिक मतभेद हों, सांस्कृतिक विविधता हो या सामाजिक संघर्ष।

देश भर में संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम–चाहे न्यायालयों में प्रस्तावना का पाठ हो, विद्यालयों में निबंध और वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ हों, या सरकारी संस्थानों में जागरूकता अभियान–इनका उद्देश्य यही है कि नागरिक, विशेषकर युवा पीढ़ी, संवैधानिक नैतिकता को समझे और आत्मसात करे। यह अत्यंत आवश्यक भी है, क्योंकि लोकतांत्रिक समाज तभी मजबूत होता है जब उसके नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जितने सजग हों, उतने ही कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्ध भी हों। भारत का संविधान कई बड़े देशों के संविधानों से प्रेरणा लेकर तैयार किया गया, लेकिन इसका स्वरूप अद्वितीय है। इसमें संघीय ढांचे और एकात्मक प्रवृत्तियों का संतुलन रखा गया है, जो भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता को ध्यान में रखकर चुना गया। संसद की संसदीय प्रणाली, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, कार्यपालिका का उत्तरदायित्व, नागरिक स्वतंत्रताओं की सुरक्षा और सामाजिक न्याय–ये सभी तत्व भारत जैसे विशाल लोकतंत्र को सक्षम बनाते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह संविधान सामाजिक और आर्थिक विषमताओं को खत्म करने की दिशा में राज्य को सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है। आज संविधान दिवस उस वचनबद्धता को याद करने का अवसर है जो हमारे पूर्वजों ने एक न्यायपूर्ण, समतामूलक और स्वतंत्र भारत के निर्माण के लिए निभाई थी। यह दिन हमें यह भी याद दिलाता है कि लोकतंत्र केवल व्यवस्था से नहीं, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, संवेदनशीलता और नैतिकता से जीवित और शक्तिशाली रहता है। एक सशक्त राष्ट्र वही होता है जहाँ लोग अपने अधिकारों का संरक्षण करते हुए दूसरों के अधिकारों का भी सम्मान करें, और जहाँ कर्तव्य केवल औपचारिकता न रहकर जीवन का हिस्सा बन जाएँ।

अंततः, संविधान दिवस हमें यह सीख देता है कि लोकतंत्र को जीवन्त रखना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर भारतीय नागरिक का कर्तव्य है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि संविधान में निहित आदर्श आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित और सार्थक बने रहें।

इंद्रियों के बंधन से मुक्ति

श्रीश्री रवि शंकर

पांचों इंद्रियां आपको बांधती हैं। ये आपको या तो किसी चीज के विरुद्ध बनाती हैं या किसी चीज के पक्ष में, चाहे वह स्वाद हो, गंध हो या स्पर्श। जब आप किसी चीज के पक्ष में या विरोध में होते हैं, तो आप मुक्त नहीं हो सकते आजादी क्या है? आजादी का मतलब है जीवन के उस ढर्रे से मुक्त होना जो दुख का कारण बनते हैं। जीवन के ढर्रे से बिना जाने भी गुजरा जा सकता है, ठीक जानवरों की तरह। इसलिए जीवन के ढर्रे से मुक्त होने की इच्छा ही एक महान वरदान है। अगर आपके अंदर आजादी की जरा सी भी इच्छा जागी है, तो समझ लीजिए कि आप बहुत भाग्यशाली हैं। तो फिर आप पर ये ढर्रे थोपने वाला क्या है? पांचों इंद्रियां आपको बांधती हैं। ये आपको या तो किसी चीज के विरुद्ध बनाती हैं या किसी चीज के पक्ष में, चाहे वह स्वाद हो, गंध हो या स्पर्श। जब आप किसी चीज के पक्ष में या विरोध में होते हैं, तो आप मुक्त नहीं हो सकते। अगर आप किसी चीज के विरुद्ध हैं, तो जान लें कि आपको उससे कोई मुक्ति नहीं है। आप उन्हीं के साथ फंसे हैं जिनसे आप घृणा करते हैं। आपका स्वभाव किसी ऐसी चीज की ओर बढ़ना है जो जीवनदायी हो। इंद्रियों के वे सभी विषय जो आपको पीछे खींचते हैं, विष के समान हैं और विष को त्यागना ही होगा। लेकिन कैसे? पांच मार्गदर्शक सिद्धांत हैं जो आपको इसे छोड़ने में मदद करते हैं। क्षमा, आर्जव, दया, संतोष और सत्य। यह जानते हुए भी कि आपने गलती की है, खुद को क्षमा करना पहला सिद्धांत है। यह समझें कि जो हुआ वह अच्छे के लिए है और उस पर चिंता न करें। अगर आप खुद को क्षमा नहीं कर सकते, तो आपने खुद को अतीत से बांध लिया है और ईमानदारी के बिना क्षमा करने में कोई आकर्षण नहीं है। लोग खुद को क्षमा करते रहते हैं, लेकिन वे ईमानदार नहीं होते। ईमानदारी की बाती जलानी है और यही आपको बंधन से मुक्त करने के लिए पर्याप्त है।

खुद पर या किसी और पर कठोर मत बनो। अकसर आप खुद को दंडित करते रहते हैं क्योंकि आप किसी को दंडित नहीं कर सकते। सभी प्राणियों के प्रति करुणा होनी चाहिए। यदि आप करुणामय नहीं हैं, तो आप क्रोतित होंगे ही। एक निराश व्यक्ति न तो खुद के प्रति और न ही दूसरों के प्रति दयालु हो सकता है। आप किस बात से चिंतित हैं? छोटी-छोटी इच्छाओं और वस्तुओं के बारे में!

आपके पत्र

वायु प्रदूषण खतरनाक

दिल्ली और अन्य कुछ राज्यों में बढ़ता वायु प्रदूषण चिंता का विषय बन गया है। कुछ राज्यों में सुबह-सुबह ही शुद्ध साफ-सुथरी हवा के समय प्रदूषित हवा से सामना करना पड़ता है। यहां सुबह की सैर भी अब खतरे से खाली नहीं है। लेकिन सवाल तो यह है कि देश में केंद्र और राज्यों में पर्यावरण विभाग हैं, इसमें मंत्री और अफसरों और अन्य कर्मचारियों को करोड़ों का वेतन और भत्ते भी दिए जाते हैं और आमजन से ग्रीन टैक्स, और न जाने पर्यावरण संरक्षण के लिए टैक्स किसी न किसी रूप में वसूला जाता है लेकिन फिर भी देश में प्रदूषण को रोकने के लिए गंभीरता से काम नहीं किया जा रहा है। क्यों नहीं यह चुनाव में वैसा मुद्दा बनता है जैसे आरक्षण, जातिवाद, धर्म आदि के मसले मुद्दे बन जाते हैं।

बीके शर्मा,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

महिला हत्याकांड में फरार आरोपी अमानत से गिरफ्तार तेलंगाना पुलिस ट्रांज़िट रिमांड पर

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : तेलंगाना के नरसिंगी थाना पुलिस ने एक महिला की हत्या के मामले में वांछित आरोपी की तलाश में सोमवार को राधानगर थाना पहुंचकर स्थानीय पुलिस के सहयोग से अमानत गांव में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान हत्या के आरोपी संजय मंडल को उसके ससुराल से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार मामला नरसिंगी थाना कांड संख्याझ1853/25, धारा 103/238 बीएनएस से संबंधित है। जांच के दौरान आरोपी संजय मंडल का लोकेशन अमानत क्षेत्र में सक्रिय पाया गया था। लोकेशन टैग होने के बाद तेलंगाना पुलिस राधानगर थाना पहुंची। इसी बीच गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने त्वरित छापेमारी की और आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की।जानकारी के अनुसार संजय मंडल ने नरसिंगीपुर थाना क्षेत्र की एक महिला की हत्या कर दी थी और घटना के बाद फरार होकर अमानत गांव स्थित अपने ससुराल में छिपा हुआ था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे तेलंगाना पुलिस के हवाले कर दिया। तेलंगाना पुलिस उसे ट्रांज़िट रिमांड पर लेकर आगे की कार्रवाई के लिए रवाना हो चुकी है।

न्यूज IN ब्रीफ

संविधान दिवस पर पथ संचलन और विचार गोष्ठी आयोजन करने का निर्णय

साहिबगंज : आगामी 26 नवम्बर को संविधान दिवस कार्यक्रम को लेकर शहर के दहिया टोला स्थित अंबेडकर भवन में रविवार को मुलनिवासी संघ के साहिबगंज जिला ईकाई की बैठक हुई। बैठक में संविधान दिवस पर पथ संचलन और संविधान पर विचार गोष्ठी के आयोजन का निर्णय लिया। जबकि पथ संचलन कार्यक्रम में मुलनिवासी संघ बामसेफ अंबेडकर संस्था दहिया टोला, डॉ अंबेडकर सेवा संस्था सकरोगढ,भीमआर्मी अनुसूचित जाति कल्याण समिति तीनपहाड,नगर परिषद कर्मचारी शामिल होंगे।सुबह 10 बजे दहिया टोला स्थित अंबेडकर भवन के प्रांगण से पथ संचलन निकलकर बड़तल्ला,चर्च होते हुए रेलवे नार्थ कॉलोनी,रेलवे जेनरल इंस्टीट्यूट, कलिंगा होटल,गांधी चौक,नगर परिषद परिसर स्थित बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेगी।वहां से निकलकर पटेल चौक,रेलवे स्टेशन,ग्रीन होटल मोड,कुलीपाडा दुर्गा स्थान होते हुए पुनः दहिया टोला स्थित अंबेडकर भवन पहुंच कर पथ संचलन संपन्न होगा।वही 12 बजे संविधान पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।मुलनिवासी संघ ने अपील किया कि संविधान समर्थक सभी संस्था संविधान दिवस पर पथ संचलन कार्यक्रम एवं संविधान पर विचार गोष्ठी कार्यक्रम में शामिल हो।बैठक में बालदेव उरॉव, अनिल पासवान,फुलकुमार रजक,चंद्रशेखर मंराडी,अनुप लाल हरि,छोटेलाल पासवान,शंभू पासवान,पशुपतिनाथ मंडल,राजकुमार राम,शेखर पासवान,रामाशिष यादव, कृष्ण देव मंडल,श्याम दास,वीरेन्द्र मंडल आदि मौजूद थे।

एसपी ने राधानगर थाना का किया औचक निरीक्षण, लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश

साहिबगंज/उधवा : जिले के पुलिस कप्तान अमित कुमार सिंह ने सोमवार को राधानगर थाना पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना की कार्यप्रणाली दैनंदिन अभिलेख अपराधिक मामलों का अद्यतन थाना परिसर की साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था का गहन अवलोकन किया। एसपी ने विशेष रूप से लंबित कांडों के शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन पर जोर देते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी मामले में लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को समय पर न्याय मिलना पुलिस विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके साथ ही, उन्होंने क्षेत्र में रात्रि गश्त नाइट पेट्रोलिंग बढ़ाने, अपराध प्रभावित इलाकों में नियमित चौकसी रखने, अवैध गतिविधियों पर तत्पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसपी ने पुलिस टीम को सामुदायिक पुलिसिंग को और मजबूत करने,आम जनता से संवाद बढ़ाने एवं किसी भी सूचना पर तुरंत कार्रवाई करने की सीख दी।निरीक्षण के दौरान थाना परिसर में उपलब्ध संसाधनों की भी समीक्षा की गई। आवश्यकतानुसार सुधार और व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश दिए गए। मौके पर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, एएसआई सुनील मेहता हकीम मुर्मू, सरफुद्दीन खान समेत अन्य पुलिस अधिकारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्त को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेजा

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना पुलिस ने एनडीपीएस मामले के एक अप्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उसे सोमवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज है। पुलिस के अनुसार राधानगर थाना कांड संख्या-443/25 के अप्राथमिकी अभियुक्त राजमहल निवासी शमशुल शेख फरार चल रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि उक्त अभियुक्त अपने घर में छिपा हुआ है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राजमहल में दबिश दी।इस दौरान पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

खेत में काम कर रहे युवक को सांप ने काटा, स्थिति नाजुक

साहिबगंज /उधवा: राधानगर थाना क्षेत्र के उधवा पहाड़ गांव में रविवार को एक युवक सर्पदंश का शिकार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अंसारुल शेख 20 वर्ष सुबह खेत में कृषि कार्य कर रहा था। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे विषैले सांप ने उसे डंस लिया। युवक के चीखने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उसकी स्थिति बिगड़ती देख तुरंत अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से परिजन उसे अनुमंडल अस्पताल राजमहल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने प्रारंभिक उपचार शुरू किया। डॉक्टरों के अनुसार युवक की हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी और जहर का असर तेजी से फैल रहा था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया।

46,500 रुपए की ठगी पीड़ित ने राधानगर थाना में दर्ज कराई शिकायत

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के पश्चिमी प्राणपुर पंचायत में बैंक ग्राहक के खाते से एईपीएस के माध्यम से अनाधिकृत निकासी का मामला सामने आया है। कुल 46,500 रुपये की यह ठगी अलग-अलग बार में की गई, जिसकी जानकारी पीड़ित को बैंक खाता जांचने पर हुई। पीड़ित मो. तूफानी शेख ने सोमवार को राधानगर थाना में लिखित आवेदन देकर पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई है। आवेदन में उन्होंने बताया कि उनका खाता भारतीय स्टेट बैंक, उधवा शाखा में है। खाते से एईपीएस के माध्यम से कई बार में 46,500 रुपये निकाले गए, जबकि उन्होंने ऐसी किसी भी निकासी की स्वीकृति नहीं दी।पीड़ित के अनुसार निकासी के दौरान या बाद में उनके मोबाइल पर किसी प्रकार का नोटिफिकेशन या अलर्ट भी प्राप्त नहीं हुआ, जिससे उन्हें लेनदेन की जानकारी नहीं मिल सकी। जब उन्होंने बैंक पासबुक व खाता विवरण की जांच की तब ठगी का पता चला।

नावाडीह के कैंप में आए मात्र 42 आवेदन

मेदिनीनगर : सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत सोमवार को रामगढ़ प्रखंड के नावाडीह गांव में कैंप का आयोजन किया गया जिसमें 42 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें नया राशन कार्ड के लिए 14, दिव्यांग पेंशन के 2, वृद्धा पेंशन के 18, जन्म प्रमाणपत्र के 2, मृत्यु प्रमाण पत्र का 1, जाति प्रमाणपत्र के 2 और स्थानीय प्रमाण पत्र के 3 आवेदन शामिल रहे।

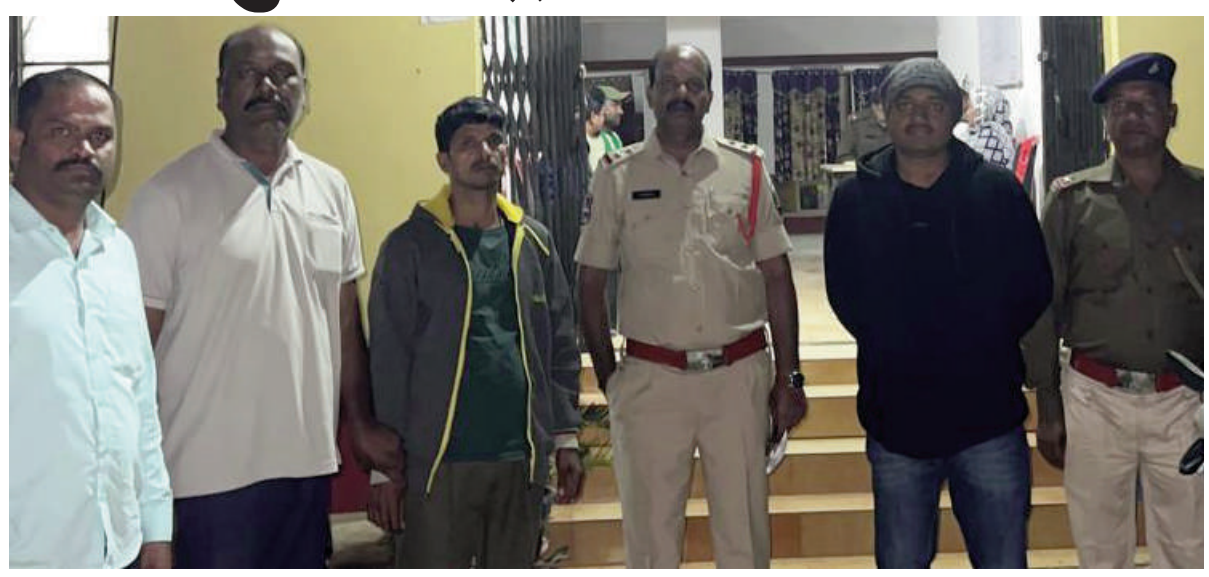

महिला क्रिकेट टीमों के बीच हुआ फ्रेंडली मैच

जेएससीए सदस्य ने मैन ऑफ दी मैच को किया पुरस्कृत

संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय महिला टीम के वर्ल्ड कप जीतने के बाद साहिबगंज में भी महिलाओं का रुझान क्रिकेट की ओर हुआ है। माही स्पोर्ट्स क्लब के कोच रवि पोलार्ड बालिकाओं को क्रिकेट के गुर सिखा रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को महिला क्रिकेट की टीम ए और टीम बी के बीच मैच खेला गया। सिदो कान्हू स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टीम बी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 83 रन बनाए। कप्तान तमन्ना खातून ने 59 बॉल में 60 रन की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम ए की टीम 78 रन बना कर ऑल आउट हो गई। कप्तान बिंदु कुमारी ने 45 बॉल में 30 रन की पारी खेली। टीम बी ने 5 रन से मैच जीत लिया। टीम की कप्तान तमन्ना खातून को मैन ऑफ दी मैच चुना गया। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा ने तमन्ना को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी देकर उसे पुरस्कृत किया। मुख्य अतिथि ने जिले की बालिकाओं को क्रिकेट खेलने और आगे बढ़ कर जिला व देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज खेल विशेष कर क्रिकेट में भी कामयाबी हासिल कर रही हैं।

पहाड़िया के बीच निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन

संवाददाता

साहिबगंज : जिले के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्र अद्रो पहाड़ में सोमवार को पोद्दर होम्यो क्लिनिक के चिकित्सक डॉ.एस.एन.प्रसाद के नेतृत्व में एक दिवसीय निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।इस शिविर का मुख्य उद्देश्य पहाड़िया एवं अन्य आदिवासी समुदायों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना था।डॉ.एस.एन.प्रसाद एवं उनकी टीम ने लगभग 70 मरीजों का निःशुल्क परीक्षण किया तथा सभी को आवश्यक होम्योपैथिक दवाइयाँ निःशुल्क वितरित की गईं।मरीजों में महिलाएँ,बच्चे एवं बुजुर्ग प्रमुख रूप से शामिल थे,जिन्हें त्वचा रोग,जोड़ों का दर्द,खून की कमी,पाचनसंबंधी समस्याएँ,श्वास रोग आदि की शिकायतें थीं।डॉ.प्रसाद ने कहा होम्योपैथी जैसी सुरक्षित एवं सस्ती चिकित्सा पद्धति उनके लिए वरदान साबित हो सकती है।हमारा प्रयास रहेगा कि ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित होते रहें।पहाड़िया आदिवासी जनजाति को स्वस्थ एवं सुरक्षित रखना ही झारखंड के जल जंगल जमीन को बचाने के बराबर है इस कार्य में सुमन शेख एवं सहयोगी के रूप में विरेन्द्र कुमार,हर्ष कुमार एवं बिट्टू कुमार का विशेष योगदान रहा।इनके अथक परिश्रम से ही दूरस्थ क्षेत्र में शिविर को सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सका।

गुमानी के रैयतों ने कृषि भूमि बचाव को लेकर यादवनगर गांव में की बैठक

संवाददाता

बरहरवा : प्रखण्ड के यादवनगर गांव में रविवार शाम को मो कमाल के भवन परिसर में रैयतों की एक बैठक अध्यक्ष कामरेड असगर आलम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में रैयतों के इलावे गांव के विशिष्ठ लोग भी उपस्थित थे।श्रीकुण्ड आरसीडी से शिबापहाड़ आरसीडी तक वाया मधुवापाड़ा,आगलोई, हस्तीपाड़ा,जुहीबोना रोड़ लम्बाई 6.675 कि०मी०का चौड़ीकरण व मजबूतीकरण के नाम पर तीन फसली सिंचित जमीन पर पथ प्रमण्डल साहिबगंज चिह्नित करने का काम किया। जिसपर सभी रैयतों के आपत्ति है तथा इसके विरोध स्वरूप उपायुक्त महोदय, अपर समाहर्ता, भू-अर्जन पदाधिकारी, व कार्यपालक अभियंता को विरोध एवं अपत्ति पत्र दिया गया है।इसके बावजूद विभाग से रैयतों को किसी प्रकार की जानकारी नहीं दी गई हैं।प्रशासन की इस प्रकार की अड़ग़ल रैयवा को देखते हुए रैयतों एवं ग्रामीणो ने विभिन्न गांवों में एकता-बध होकर इसका विरोध दर्ज करने हेतु विभिन्न प्रकार की रुप रेखा पर चिंतन-मंथन किया।इसी कड़ी में यादवनगर में भी एक बैठक संपन्न हुई। जिसमें उपस्थित सभी रैयतों ने एकमत से निर्णय लिया कि चिह्नित जमीन पर किसी भी प्रकार का कार्य होने नहीं देंगे,इसके लिए हमें जंग-जु संघर्ष करना पड़े तो हम करेंगे, सर्व-सहमति से न्यायलय की सरण लेने की बात भी तय हुई। तीन फसली सिंचित भूमि पर सड़क निर्माण हेतु विभाग ने रैयतों को न कोई जानकारी दिया और न ग्राम -सभा का आयोजन किया।जो भूमि अधिग्रहण अधिनियम -2013 का उल्लघंन है। कृषि भूमि बचाव संघर्ष समिति गुमानी के सभी सदस्यों, रैयतों एवं ग्रामीणो ने किसान आन्दोलन के 5वीं वर्षगांठ के अवसर पर संयुक्त किसान मोर्चा के देश व्यापी आह्वान के तहत जिला मुख्यालय के समक्ष देश व्यापी प्रदर्शन में 26 नम्बर को बढ़ -चढ़कर हिस्सा लेने का बात कही। बैठक में कॉमरेड असगर आलम, मो०फैसल, मनीरूल इस्लाम, रेजाउल रहमान, सफीकुल इस्लाम,नुरुल इस्लाम, मो०सलीम इत्यादि उपस्थित थे।

रात्रि आठ बजे के बाद बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर पाबंदी

संवाददाता

साहिबगंज : जिले के मंडरो प्रखंड के तेतरिया पंचायत स्थित संथाल गांव ने सामाजिक अनुशासन और शांति की दिशा में एक अनोखी पहल की है। ग्रामसभा के सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के तहत गांव में शाम 7 बजे के बाद शराब पीने और बेचने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।इतना ही नहीं,रात्रि 8 बजे के बाद बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर भी पाबंदी लागू कर दी गई है।गांव में व्यवस्था बनाए रखने और नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए कुल 11 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।नियम का उल्लंघन करने वालों पर ₹2500 का जुमार्ना तय किया गया है,जिसे गांव के सभी लोग कड़ाई से पालन कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।इस नए नियम से गांव में कई सकारात्मक बदलाव दिखने लगे हैं।स्कूली बच्चों की पढ़ाई में सुधार,नशामुक्त वातावरण से सामाजिक सौहार्द मजबूत,रात में अनाधिकृत प्रवेश रोकने से सुरक्षा व्यवस्था बेहतर,संथाल गांव की यह पहल अब आसपास के कई गांवों के लिए एक प्रेरणादायी मॉडल बनती जा रही है,जहां ग्रामीण सामूहिक प्रयास से समाज में सुधार ला रहे हैं।

सप्ताह भर चलने वाले शिविरों में पहुंचकर सरकारी सेवाओं लाभ उठाएं

संवाददाता

साहिबगंज : जिले में 28 नवंबर तक चलने वाले सेवा का अधिकार सप्ताह का विभिन्न पंचायत व वार्डो में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन द्वारा आपकी योजना आपकी सरकारआपके द्वार अभियान के तहत विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों एवं नगर क्षेत्र के वार्डों में किया जा रहा है। आयोजित शिविरों में निम्नलिखित स्थानों पर सेवाओं का व्यापक रूप से लाभ दिया गया।बरहेट प्रखंड खैरवा फूलभंगा, खिजूरखाल पंचायत, बोरियो प्रखंड बोरियो संथाली, बडा रक्सो पंचायत,पतना प्रखंड कटहलबाड़ी, आमडंडा संथाली पंचायत,मंडरो प्रखंड बरतल्ला, तेतरिया पंचायत, बरहरवा प्रखंड दरियापुर, रामनगर, कोटलपोखर पंचायत, राजमहल प्रखंड सैदपुर पूर्वी नारायणपुर, मध्य नारायणपुर , पंचायतक्षतालझारी प्रखंड सगडभंगा, मोती झरना पंचायत,उधवा प्रखंडः दक्षिण बेगमगंज, जोंका, रामनगर पंचायत, साहिबगंज प्रखंडः हाजीपुर पश्चिम, गंगा प्रसाद पश्चिम पंचायत,साहिबगंज नगर परिषद वार्ड संख्या 7 ,8 9 ,10 ,11 नगर परिषद कार्यालय, साहिबगंज में। नगर पंचायत राजमहल वार्ड संख्या 1,2,3,4,5,6 सिंधी दलान टाउन हॉल, राजमहल में।शिविर में प्रदत्त प्रमुख सेवाएँ कार्यक्रम के तहत बड़ी संख्या में आमजन पहुंचे और विभिन्न सेवाओं के लिए आवेदन किया। इनमें मुख्य रूप से जाति प्रमाण पत्र

आवासीय प्रमाण पत्र,आय प्रमाण पत्र,जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र,नया राशन कार्ड आवेदन,दाखिल-खारिज एवं भूमि संबंधी वादों से संबंधित आवेदन,भूमि धारण प्रमाण पत्र ,भूमि की मापी से संबंधित आवेदन सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं हेतु आवेदन अन्य विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन

शिविर के दौरान पात्र लाभुकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत परिसंपत्तियों का वितरण, स्वीकृत लाभ, प्रमाण पत्र व योजनाओं से संबंधित दस्तावेज प्रदान किए गए।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, लाभुक एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित हुए। साथ ही जनप्रतिनिधि, जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे और अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया। जिला प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस सप्ताह भर चलने वाले शिविरों में पहुँचकर सरकारी सेवाओं और योजनाओं का लाभ अवश्य लें।

'इक्कीस' होगी धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म, पोस्टर देख फैंस की आंखों में आये आंसू

फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र अब पंचतत्व में विलीन हो चुके हैं। उन्होंने 24 नवंबर को 89 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। कुछ समय पहले उन्हें सांस लेने में दिक्कत के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 12 दिन तक इलाज चला। ठीक होने के बाद वे घर लौटे थे, लेकिन आज उनकी निधन की दुखद खबर सामने आई। उनके जाने से पूरी फिल्म इंडस्ट्री शोक में डूब गई है। धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस' अगले महीने रिलीज होने वाली है। खास बात यह है कि सोमवार को ही उनकी इस फिल्म से पहला पोस्टर जारी किया गया था, जिसे देखकर फैंस भावुक हो गए। फिल्म के पोस्टर के साथ लिखा गया, 'पिता बेटों का पालन-पोषण करते हैं, महापुरुष राष्ट्र का निर्माण करते हैं।' फिल्म में धर्मेंद्र एक 21 वर्षीय शहीद सैनिक के पिता ब्रिगेडियर एम.एल. खेत्रपाल की भूमिका निभा रहे हैं।

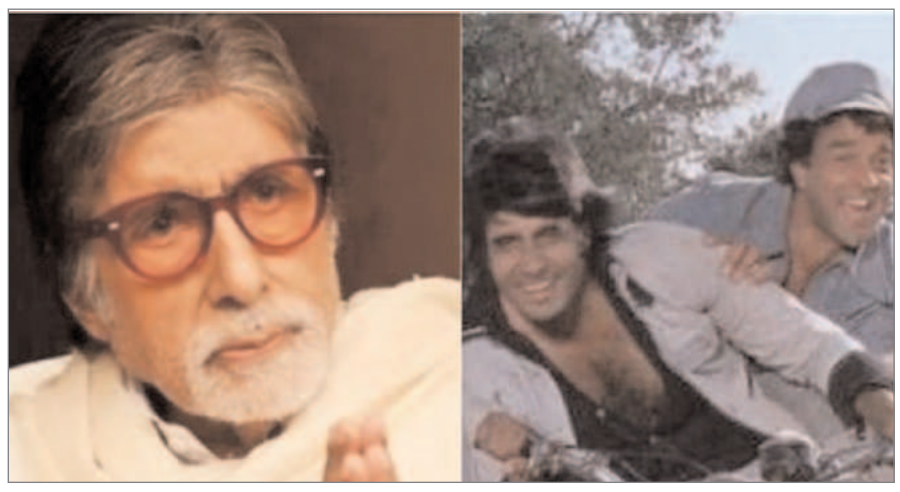

पोस्टर वीडियो में उन्होंने अपनी आवाज भी दी है, जिसमें वे अपने बेटे अरुण खेत्रपाल की बहादुरी को याद करते दिखते हैं। अरुण खेत्रपाल, जिन्हें 1971 के भारत-पाक युद्ध में शहीद होने के बाद परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था, की भूमिका फिल्म में अगस्त्य नंदा निभा रहे हैं।

'इक्कीस' धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म होने के कारण उनके चाहने वालों के लिए बेहद खास बनने वाली है। यह फिल्म 25 दिसंबर 2025 को दुनियाभर में रिलीज होगी, और फैंस पहली बार और आखिरी बार धर्मेंद्र को बड़े पर्दे पर इस भावनात्मक किरदार में देख पाएंगे।

12-दिन की ब्रह्मपुत्र यात्रा के लिए कुब्रा सैत तैयार

बॉलीवुड अभिनत्री कुब्रा सैत 12 दिन की ब्रहापुत्र यात्रा के लिए तैयार है। कुब्रा सैत अपने जीवन के सबसे रोमांचक निजी सफ? में से एक के लिए तैयार हैं। कुब्रा एक दिसंबर से शुरू होने वाली शक्तिशाली ब्रह्मपुत्र नदी पर 12 दिन की यात्रा के लिए तैयार है। अपनी फिल्मों देवा, सन ऑफ सरदार 2 और दि ट्रायल सीजन 2 में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद, अब कुब्रा स्क्रीन से दूर जंगलों की ओर रुख कर रही हैं, उस सपने की ओर जिसे वह पिछले सात वर्षों से अपने दिल में संजोए हुए थीं।

कुब्रा सैत ने कहा कि यह सपना तब शुरू हुआ जब मैंने पहली बार उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के पास काली नदी में राफ्टिंग की और तब से यह मेरी बकेट लिस्ट में है। मुझे यकीन है पिछली बार की तरह इस बार भी यह एक पागलपन भरा अनुभव होने वाला है। इस नए सफर के लिए कुब्रा जल्द ही असम के डिब्रूगढ़ पहुंचने वाली हैं, जहां से वे अपने एक्सपीडिशन ग्रुप के साथ आगे बढ़ेंगी और पैडलिंग, राफ्टिंग और नदी किनारे टेंट में रातें बिताएंगी। कुब्रा ने कहा कि ऐसे अभियानों में असली डर का सामना करने से मेरे करियर की चुनौतियाँ बहुत छोटी लगने लगती हैं। जब आप प्रकृति की परीक्षा से गुजर चुके होते हैं, तो प्रोजेक्ट के न चलने या उन्हें न स्वीकारे जाने का डर नहीं रह जाता। यह एक हार्ड रीसेट जैसा है, कोई ताम-झाम नहीं, सिर्फ फोकस और ग्राउंडिंग। कुब्रा ने गंगा राफ्टिंग के दौरान अपने सीखे दर्शन को याद करते हुए कहा कि गो विद द फ्लो का असली मतलब मैंने गंगा राफ्टिंग के दौरान ही समझा था, जहां नदी किसी के लिए नहीं रुकती। जब आपके पास फोन नहीं होता और आप प्रकृति के बीच होते हैं, तो सन्नाटा भी अनुभव का हिस्सा बन जाता है। लंबे अभियानों में न नेटवर्क होता है, न कोई ध्यान भटकाने वाली चीज, बस आपका प्रकृति से रिश्ता गहरा होता चला जाता है। कुब्रा ने कहा कि यह साल कई पहलों से भरा रहा और इसकी शुरूआत मेरी गर्ल गैंग के साथ महाकुंभ यात्रा से हुई थी। कुब्रा अपनी अगली रोमांचक रिलीज के लिए तैयार हैं, जिनमें डेविड धवन की है जवानी तो इश्क होना है और प्रकाश झा की लाल बत्ती फिल्में शामिल हैं।

स्मृति मंधाना ने सोशल मीडिया से डिलीट किया सगाई- शादी से जुड़ा पोस्ट

नई दिल्ली: महिला क्रिकेट की सुपर स्टार स्मृति मंधाना कठिन समय से गुजर रही हैं। वह अपने मंगेतर पलाश मुच्छल के साथ धूमधाम से सात फेरे लेने वाली थी, लेकिन अचानक उनके पिता श्रीनिवास की तबीयत खराब हो गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। अब उन्होंने अपनी शादी को अनिश्चित काल के लिए टाल दिया है।

इस बीच उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पलाश के साथ अपनी होने वाली शादी से जुड़ीं सभी तस्वीरों और वीडियो को हटा दिया है। स्मृति मंधाना ने उन पोस्ट्स को डिलीट किया है या सेटिंग में किसी तरह का बदलाव किया है, जिससे वो टाइमलाइन पर नहीं दिख रहीं, वजह जो भी हो, लेकिन अब उनकी तस्वीरें और वीडियो उनके अकाउंट पर नहीं हैं। इतना ही नहीं, श्रेयंका पाटिल, रोड्रिग्स जैसी उनकी खास दोस्त और साथी खिलाड़ियों ने भी स्टार क्रिकेटर की इंगेजमेंट और शादी से जुड़ी तस्वीरों और वीडियो को हटा दिया है।

दोस्त धर्मेंद्र के जाने से गम में नजर आ रहे अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता धर्मेंद्र का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और सोमवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके निधन से पूरी फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। धर्मेंद्र का अंतिम संस्कार बड़ी संख्या में हस्तियों की मौजूदगी में किया गया। वहीं, हीमैन के करीबी दोस्त अमिताभ बच्चन भी अपने बेटे के साथ शमशान घाट पहुंचे।

अमिताभ बच्चन ने जताया गहरा दर्दः धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन लंबे समय से करीबी दोस्त

और फिल्म जगत के साथी रहे। दोनों की 'जय-वीरू' की जोड़ी ने 50 साल पहले फिल्म 'शोले' में इतिहास रचा था। धर्मेंद के जाने से अमिताभ गम में नजर आ रहे हैं। उन्होंने रात 2.30 बजे एक इमोशनल पोस्ट किया, जिसे पढ़कर साफ समझ आ रहा है 'वीरू' के जाने से 'जय' टूट चुके हैं। अमिताभ ने लिखा, 'एक और बहादुर दिग्गज हमें छोड़कर चला गया है। वह मंच छोड़ गया, पीछे ऐसी खामोशी छोड़ गया, जिसे सहन करना मुश्किल है। धरम जी, महानता की मिसाल, जो सिर्फ अपने कद-काठी के लिए ही नहीं, बल्कि विशाल दिल और सादगी के लिए भी जाने जाते थे। उन्होंने अपने पंजाब के गांव की मिट्टी की खुशबू अपने साथ लाई और पूरे करियर में सच्चे बने रहे। उनकी मुस्कान और गर्मजोशी हर किसी तक पहुंचती थी। हमारी फिजा अब सूनी हो गई है, एक खालीपन जो हमेशा रहेगा।'

फैंस भी हुए भावुकः अमिताभ बच्चन के पोस्ट के बाद फैंस भी धर्मेंद्र को याद करते हुए भावुक हो गए। धर्मेंद्र अपने इंस्टाग्राम पर अक्सर फैंस से जुड़े रहते थे और अपनी तस्वीरें, वीडियो साझा करते थे। उनके जाने से बॉलीवुड और फैंस के बीच गहरा मातम छा गया है। धर्मेंद्र को बॉलीवुड में हीमैन, अपनी बहादुरी, सरलता और अपने आकर्षक व्यक्तित्व के लिए हमेशा याद किया जाएगा।

हेमा मालिनी से शादी करने के लिए धर्मेंद्र ने कबूला था इस्लाम?

महान अभिनेता और बॉलीवुड के मूल 'एक्शन हीरो' धर्मेंद्र का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर जैसे ही सोशल मीडिया पर आई, प्रशंसकों और सेलेब्रिटीज में शोक की लहर दौड़ गई। इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर) और फेसबुक पर लाखों लोग श्रद्धांजलि दे रहे हैं। 65 साल के शानदार करियर में धर्मेंद्र ने 'शोले', 'चुपके चुपके', 'सीता और गीता', 'धर्मवीर', 'यमला पगला दीवाना' जैसी दर्जनों ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। वे बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार थे जिन्हें 'ही-मैन' और 'गबर' जैसे नाम मिले।

विवादों में रही दूसरी शादीः धर्मेंद्र का निजी जीवन हमेशा सुर्खियों में रहा। वर्ष 1954 में उन्होंने प्रकाश कौर से पहली शादी की थी। इस दंपत्ति के चार संतानें हैं , सनी देओल, बॉबी देओल, अजेता देओल और विजेता देओल। 1970 के दशक में फिल्म 'शोले' की शूटिंग के दौरान उनकी मुलाकात ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी से हुई और दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया। वर्ष 1980 में दोनों ने शादी कर ली।

चूंकि धर्मेंद्र पहले से शादीशुदा थे, इसलिए हिंदू विवाह अधिनियम के तहत उनकी दूसरी शादी की वैधता पर सवाल उठते रहे। शादी के बाद लंबे समय तक यह अफवाह चलती रही कि कानूनी अड़चन दूर करने के लिए धर्मेंद्र ने इस्लाम धर्म कबूल कर लिया और हेमा मालिनी के साथ निकाह किया। कहा गया कि उन्होंने नाम बदलकर दिलावर खान और हेमा ने आयशा बी रखा था।

धर्मेंद्र और हेमा ने हमेशा खारिज किए आरोपः धर्मेंद्र ने कई इंटरव्यू में इन अफवाहों को सिरे से खारिज किया। वर्ष 2004 में आउटलुक को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, यह आरोप पूरी तरह गलत हैं। मैं वह इंसान नहीं हूं जो अपने निजी हित के लिए अपना धर्म बदल ले। हेमा मालिनी की अधिकृत जीवनी 'हेमा मालिनीः बियॉन्ड द ड्रीम गर्ल' (लेखक : राम कमल मुखर्जी) में भी धर्म परिवर्तन और निकाह की इन अफवाहों का स्पष्ट खंडन किया गया है।

2004 में फिर गर्म हुआ विवादः 2004 में जब धर्मेंद्र बीकानेर से लोकसभा चुनाव लड़ रहे थे, तब कांग्रेस पार्टी ने उनके चुनावी हलफनामे पर सवाल उठाए थे। आरोप था कि उन्होंने अपनी संपत्ति के घोषणा-पत्र में केवल पहली पत्नी प्रकाश कौर का उल्लेख किया, हेमा मालिनी का नहीं। उसी समय हेमा मालिनी राज्यसभा सदस्य थीं और उनपर भी आरोप लगा कि उन्होंने अपना धर्म और वैवाहिक स्थिति छिपाई है। हेमा मालिनी ने सभी आरोपों को निराधार बताया था और कहा था, यह हमारा निजी मामला है। हम आपस में सुलझा लेंगे। किसी तीसरे को इससे तकलीफ नहीं होनी चाहिए।

बेहद संवेदनशील और अलग तरह की फिल्म है वध 2

बॉलीवुड में अपने कॉमिक अभिनय के लिये मशहूर संजय मिश्रा का कहना है कि उनकी फिल्म वध 2 बहुत संवेदनशील और अलग तरह की फिल्म है। वध की सफलता और उसे मिली खूब तारीफों के बाद अब उसका सबसे ज्यादा इंतजार किया गया स्पिरिचुअल सीक्वल वध 2, जिसे जसपाल सिंह संधू ने डायरेक्ट और लिखा है, वह गोवा में होने वाले 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (इफ्फी) के खास गाला प्रीमियर सेक्शन में अपनी शानदार शुरूआत करने जा रहा है। संजय मिश्रा और नीना गुप्ता जैसे मजबूत कलाकारों वाली यह दिलचस्प सीक्वल एक बिल्कुल नई कहानी लेकर आ रही है, जिसमें नए किरदार और मुश्किल हालात हैं, लेकिन वही भावनात्मक गहराई भी है, जिसने वध को खास और याद रखने लायक बनाया था। वर्ष 2023 में वध को इफ्फी गोवा के इंडियन पैनोरमा में दिखाया गया था, जहां मेकर्स ने आधिकारिक रूप से वध 2 का ऐलान किया था।

अब 2025 में वध 2 इफ्फी गोवा में गाला प्रीमियर सेक्शन के तहत रिलीज होने जा रही है, तो यह सफर पूरा हो गया जैसा लगता है, क्योंकि वही जगह है, जहां इसकी अगली कहानी पहली बार सामने आई थी। संजय मिश्रा, जसपाल सिंह संधू और निमार्ता 56वें इफ्फी के रेड कार्पेट पर बेहद शानदार अंदाज में पहुंचे, जहां वे अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म वध 2 के गाला प्रीमियर के लिए आए थे। वध (2022) में अपनी बेहतरीन एक्टिंग के लिए पहचाने जाने वाले ये सभी कैमरों के सामने मुस्कुराते हुए पोज देते दिखे, और उनकी यही खुशी सीक्वल को लेकर दर्शकों के बीच बने उत्साह को साफ दिखा रही थी। रेड कार्पेट पर जब संजय मिश्रा से पूछा गया कि आप धामाल, गोलमाल जैसी कई फिल्मों के सीक्वल का हिस्सा रह चुके हैं, लेकिन वध 2 पहली ऐसी फिल्म है, जिसमें आप लीड रोल में हैं और उसका सीक्वल बन रहा है, इस पर आपको कैसा लग रहा है। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि यह एक बहुत खूबसूरत सीक्वल है। मेरा मानना है कि यह बहुत संवेदनशील और अलग तरह की फिल्म है। अच्छा लगता है, जब दूसरे लोग भी आपके काम को देखना चाहते हैं।

भारत- दक्षिण अफ्रीका दूसरा टेस्ट

साउथ अफ्रीका को तीसरा झटका, भारत के सामने बनता जा रहा विशाल स्कोर

गुवाहाटीः दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन भारतीय गेंदबाज साउथ अफ्रीका पर हावी हाते दिखे। भारतीय गेंदबाजों ने विरोधी टीम के तीन बल्लेबाजों को पैवेलियन भेज दिया है। रियान रिकल्टन, एडन मारक्रम और कप्तान टेंबा बावुमा पैवेलिय लौट चुके हैं। तीनों बल्लेबाज रविंद जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की फिरकी में फंसे हैं।

जडेजा ने 2 और वाशिंगटन सुंदर ने एक विकेट हालिस किया है। टीम का स्कोर तीन विकेट पर 79 रन है। हालांकि साउथ अफ्रीका ने 367 रन की अच्छी खासी लीड हासिल कर ली है। इससे पहले सोमवार को मार्को यानसन (छह विकेट) और साइमन हार्मर (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन सोमवार को भोजनकाल के बाद भारतीय टीम को 201 रनों के स्कोर पर समेटकर 288 रनों की बढ़त के

साथ मैच पर अपना शिकंजा कस लिया। भारत से पहली पारी में 288 रन से आगे रहने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने फॉलोऑन नहीं कराया और दूसरी पारी में खेलने का फैसला किया। मेहमान टीम ने खराब रौशनी के कारण समय से पहले खेल रोके जाने तक बिना कोई विकेट खोए 26 रन बना लिए और अपनी बढ़त 314 रन पहुंचा दी थी। स्टंप्स के समय रायन रिकलटन 13 और एडन मारक्रम 12 रन बनाकर क्रीज पर थे, लेकिन शनिवार सुबह भारतीय गेंदबाज हावी होते दिखे और 77 रन पर साउथ अफ्रीका के तीन बैटर्ज पैवेलियन भेज दिए।

स्वयंभू के मेकर्स का बड़ा ऐलान

निकिल सिद्धार्थ स्टारर फिल्म 13 फरवरी को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कुछ बेहतरीन टेक्निशियन और क्रिएटर्स डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी, केजीएफ और सलार के म्यूजिक डायरेक्टर रवि बसरूर, बाहुबली और आरआरआर के सिनेमैटोग्राफर केके. सेंटिल कुमार, बाहुबली के एडिटर तम्मिराजू और कई अन्य प्रतिभाशाली कलाकार, सब मिलकर इस बड़ी फिल्म को बना रहे हैं, जिसकी शूटिंग 170 दिनों तक चली। फिल्म को पिक्सल स्टूडियोज के भूवन और श्रीकर ने प्रोड्यूस किया है!

दिन की सबसे बड़े ऐलान का वक्त आ गया है, क्योंकि कार्तिकेय फ्रेंचाइज के पीछे चेहरा रहे निखिल सिद्धार्थ अब एक अलग ही अंदाज की ऐतिहासिक महागाथा स्वयंभू के साथ लौट रहे हैं। हम देखते हैं कि वो बिल्कुल शानदार और भव्य अंदाज में नजर आ रहे हैं, और फिल्म का ऐलान भी एक रैप-अप वीडियो के जरिए किया गया है, जो किसी प्रोजेक्ट को पेश करने का सच में अनोखा तरीका है। इसमें फिल्म की भव्यता, दमदार एक्शन, शानदार स्टार कास्ट और एक आम आदमी की उस महाकथा की झलक मिलती है, जो आगे बढ़कर एक योद्धा बन जाता है।

निखिल, जिन्होंने पैन-इंडिया सुपरहिट कार्तिकेय 2 से पूरे देश में पहचान बनाई, अब अपनी महत्वाकांक्षी 20वीं फिल्म स्वयंभू के साथ फिर से दर्शकों को बांधने आ रहे हैं। बड़े पैमाने पर बन रही यह ऐतिहासिक एक्शन फिल्म भरत कृष्णमाचारि द्वारा निर्देशित है, और इसे भूवन और श्रीकर पिक्सेल स्टूडियोज के तहत बना रहे हैं, जबकि टैगोर मधु इसे पेश कर रहे हैं। बेहतरीन प्रोडक्शन वैल्यू और दमदार पैन-इंडिया सोच के साथ, स्वयंभू निखिल की अब तक की सबसे खास फिल्मों में से एक बन रही है।

आज मेकर्स ने बड़ा अपडेट दिया है, यह बताते हुए कि इस भव्य फिल्म का शूट आधिकारिक तौर पर पूरा हो चुका है। दो साल की मेहनत और 170 दिनों की लंबी शूटिंग के बाद, टीम ने गर्व के साथ इसकी समाप्ति की घोषणा की है। भारत के समृद्ध इतिहास और उसकी अनन्त शान को सलाम करने वाली यह एपिक फिल्म स्वयंभू इस महा शिवरात्रि यानी 13 फरवरी 2026 को दुनिया भर के थिएटर्स में रिलीज होने जा रही है।

इस अनुभव को चुनौती भरा और रोमांचक बताते हुए, निखिल ने राइज ऑफ स्वयंभू नाम के रिलीज डेट अनाउंसमेंट वीडियो में इस सफर के बारे में बात की, जिसमें दुनिया बनाने और फिल्म के भव्य निर्माण की झलक मिलती है। जो एक फिल्म के रूप में शुरू हुआ था, वह जल्दी ही एक बड़े विश्व में बदल गया, जिसे कई एकड़ में बने विशाल सेट्स और शानदार मेहनत से तैयार किया गया। करोड़ों की लागत और प्रोड्यूसर भूवन और श्रीकर की पूरी लगन के सहारे, टीम एक ही लक्ष्य लेकर आगे बढ़ी और वो थी इस अनोखी कहानी को बड़े पर्दे पर शानदार तरीके से पेश करना।

भारत की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी स्वयंभू उन कहानियों में जाती है जो अब तक कहीं नहीं बताई गईं, ऐसी बातें जो सिर्फ राजा-महाराजाओं और युद्धों की आम कहानियों से कहीं आगे बढ़ती हैं। इसके बीच में एक ऐसे जबरदस्त योद्धा की गाथा है, जिसकी बहादुरी ने एक पूरा समय बदल दिया।

वीडियो में निखिल अपने घोड़े मारुति को भी दिखाते हैं और बताते हैं कि उनकी बड़ी फिल्म बनाने में किस शानदार टीम ने मेहनत की है। इस मुश्किल रोल को असली तरह से निभाने के लिए निखिल ने अपने शरीर में बड़ा बदलाव किया और खूब मेहनत वाली ट्रेनिंग की। उन्होंने हिंदी वर्जऩ में अपनी आवाज भी खुद ही दी, ताकि कहानी और भी सच जैसी लगे।

फिल्म में साम्युक्था और नाभा नटेश फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी। कैमरा का काम विजुअल मास्टर ड्ड सेंथिल कुमार ने संभाला है, जो बाहुबली, फ्फ्फ जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर चुके हैं। संगीत का जिम्मा रवि बस्रूर ने लिया है, जो ड्ब्ब्बऔर सालार के लिए भी म्यूज़िक बना चुके हैं। प्रोडक्शन डिजाइन एम. प्रभाहरण और रवींद्रा ने किया है, जिन्होंने बड़ी मेहनत से फिल्म की शानदार दुनिया तैयार की है।

अब जब फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है, स्वयंभू का सफर शुरू हो गया है, और इस तरह से पैन-इंडिया फिल्म के लिए लोगों की उत्सुकता तेजी से बढ़ रही है।

एसआईआर पर नई तकरार, सीएम ममता बनर्जी ने फिर मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखा पत्र

एजेंसी/कोलकाता: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की चीफ ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को एक हफ्ते के अंदर दूसरी बार चिट्ठी लिखी है। सोमवार को लिखे पत्र में ममता ने ज्ञानेश कुमार से हाल के दो मुद्दों पर उनसे ह्यतत्काल हस्तक्षेपह्न करने की मांग की है। उन्होंने पत्र में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिए गए निर्देश का जिक्र किया है कि वह एसआईआर या अन्य चुनाव संबंधी कार्यों के लिए संविदा पर डाटा-एंट्री ऑपरेटरों और बांग्ला सहायता केंद्र के कर्मचारियों को नियुक्त न करें। दूसरा मामला निर्वाचन आयोग द्वारा निजी आवासीय परिसरों के अंदर मतदान केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव का है। एक्स पर साझा किए गए पत्र में मुख्यमंत्री ने आश्चर्य जताया कि क्या ये मामले एक राजनीतिक दल (भाजपा) की मदद के लिए उठाए जा रहे हैं? पत्र में उन्होंने लिखा कि हाल ही में यह बात प्रकाश में आई है कि पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) को निर्देश दिया है कि वे एसआईआर से संबंधित या अन्य चुनाव संबंधी डाटा कार्यों के लिए संविदा पर डाटा एंट्री ऑपरेटरों और बांग्ला सहायता केंद्र (बीएसके) के कर्मचारियों को नियुक्त न करें।

इसमें लिखा है कि इसके साथ ही, सीईओ कार्यालय ने एक वर्ष की अवधि के लिए 1,000 डाटा एंट्री ऑपरेटरों और 50 सॉफ्टवेयर डेवलपर्स की नियुक्ति के प्रस्ताव के लिये अनुरोध जारी किया है। वहीं भाजपा ने सोमवार को आरोप लगाया कि टीएमसी और कांग्रेस इसकी प्रक्रिया पर अनावश्यक सवाल उठाकर एक बड़ी साजिश का हिस्सा बन रही हैं। पार्टी का दावा है कि विपक्ष एसआईआर का विरोध करके कथित घुसपैठियों के सहारे सत्ता हासिल करने की कोशिश कर रहा है। भाजपा ने इस मुद्दे पर विपक्ष के रुख को बेहद गंभीर और लोकतंत्र के लिए खतरनाक बताया।

अफगानिस्तान ने भारत को दिया बड़ा ऑफर

गोल्ड माइनिंग में निवेश करो पांच साल की टैक्स छूट पाओ

नई दिल्ली: अफगानिस्तान के उद्योग और वाणिज्य मंत्री अलहाज नूरुद्दीन अजीजी ने भारत से गोल्ड माइनिंग सहित नए क्षेत्रों में निवेश की अपील की है। उन्होंने पांच साल की टैक्स छूट और एक फीसदी आयात टैरिफ का ऑफर दिया है। अजीजी ने सोमवार को भारत से कई क्षेत्रों में निवेश की मांग की है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार गोल्ड माइनिंग (सोने के खनन) सहित नए क्षेत्रों में निवेश करने वाली कंपनियों को पांच साल की टैक्स छूट देने के लिए तैयार है।

एसोचैम द्वारा आयोजित एक इंटरैक्टिव सत्र में बोलते हुए अजीजी ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के साथ तनाव व्यापार में दिक्कतें पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां यदि निवेश हेतु मशीनरी आयात करती हैं तो उन पर केवल एक फीसदी शुल्क लगेगा।

नौसेना में शामिल हुआ आईएनएस माहे, खोज-खोजकर मारेगा दुश्मन की पनडुब्बियां, स्वदेशी तकनीक से हुआ तैयार

नई दिल्ली: भारतीय नौसेना ने सोमवार को साइलेंट हंटर के नाम से प्रसिद्ध एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शेलो वॉटर क्राफ्ट आईएनएस माहे को अपने बेड़े में औपचारिक रूप से शामिल कर लिया। यह माहे क्लास का पहला जहाज है, जो खास तौर पर दुश्मन की पनडुब्बियों को ढूंढकर मारने के लिए बनाया गया है। छोटा है, लेकिन इतना तेज और चालाक कि तटीय इलाकों में कोई पनडुब्बी छिप नहीं सकती।

इसे विशेष रूप से तटीय इलाकों में होने वाले मिशन को अंजाम देने के लिए तैयार किया गया है। नौसेना में आईएनएस माहे की कमीशनिंग सोमवार को आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में हुई। आईएनएस माहे को बेड़े में शामिल करने के बाद भारतीय नौसेना की ताकत में बड़ा इजाफा हो गया है। 80 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री के साथ, माहे-क्लास युद्धपोत के डिजाइन, निर्माण और एकीकरण में भारत की बढ़ती महारत को दिखाता है।

माहे नगर पर रखा गया युद्धपोत का नामः इस पोत का नाम मालाबार तट के ऐतिहासिक नगर माहे के नाम पर रखा गया है, जो अपनी सांस्कृतिक विरासत और समुद्री इतिहास के लिए जाना जाता है। यह शेलो वॉटर क्राफ्ट माहे क्लास की पहली इकाई है, आठ जहाजों की श्रृंखला भारतीय नौसेना के लिए तैयार की जा रही है। इनका निर्माण कोचीन शिपयार्ड में हो रहा है, जो स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता का मजबूत प्रमाण है।

चीन की नई चाल : एलएसी पर तेजी से मजबूत कर रहा सैन्य ढांचा

तिब्बत में यूएवी सेंटर और नया एयरबेस तैयार

नई दिल्ली : भारत को लेकर चीन का दोहरा रवैया एक बार फिर सामने आया है। एक ओर वह रिश्तों को सामान्य करने की बात करता है, वहीं दूसरी ओर सीमा के पास अपने सैन्य और बुनियादी ढांचे को आक्रामक रूप से विस्तार दे रहा है। अब चीन की नजर तिब्बत से सटे क्षेत्रों पर और ज्यादा केंद्रित हो गई है। चीन तिब्बत के पास मौजूद वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपनी सैन्य स्थिति मजबूत कर रहा है। इसके लिए कनेक्टिविटी, रसद आपूर्ति और सैनिकों की तैनाती से जुड़ी सुविधाएं तेजी से बढ़ाई जा रही हैं। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर कई बार तनाव बढ़ चुका है। 2017 के डोकलाम संघर्ष और 2020 की गलवान झड़प के बाद संबंधों में सुधार की उम्मीदें जताई जाती रही हैं, लेकिन सीमा पर चीन की बढ़ती गतिविधियां इन दावों पर सवाल खड़े कर रही हैं। चीन ने तिब्बत में 4300 मीटर की ऊंचाई पर एक मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) परीक्षण केंद्र स्थापित किया है, जो चीनी सैनिकों को कठिन परिस्थितियों में सैन्य अभियान चलाने में मदद कर सकता है। इसके अलावा तिब्बत में 720 मीटर लंबे रनवे वाला एक नया सैन्य अड्डा भी बनाया गया है, जिसमें चार हैंगर समेत कई आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। यह अड्डा चीनी सेना के लिए महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक हब की तरह काम करेगा। तिब्बत में विकास के नाम पर चीन ने अपनी 14वीं पंचवर्षीय योजना में 30 अरब अमेरिकी डॉलर का बजट जारी किया था। चीनी रिपोर्टों के अनुसार, राष्ट्रपति शी चिनफिंग के नेतृत्व में तिब्बत का हाईवे नेटवर्क दोगुना किया गया है और कई सरकारी परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। रेल नेटवर्क भी लगातार मजबूत किया जा रहा है। चीन सिर्फ भारतीय सीमा पर ही नहीं, बल्कि दक्षिण चीन सागर में भी तेजी से विस्तार कर रहा है। वहां उसने अपना पहला आर्टिफिशियल आइलैंड तैयार किया है, जिसे लेकर अमेरिका समेत कई देशों की चिंता बढ़ गई है।

एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी बोले, जो देश का दुश्मन, वह हमारा भी

एजेंसी/ हैदराबादः एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि दिल्ली ब्लास्ट के आरोपियों की खुलकर निंदा करनी चाहिए। देश के दुश्मन हमारे दुश्मन हैं। इस धमाके में हिंदू और मुसलमान दोनों मारे गए। अगर हम चुप रहे तो इन क्रूर लोगों को खुली छूट मिल जाएगी। ओवैसी हैदराबाद में एक जनसभा में संबोधित कर रहे थे, इस दौरान उन्होंने कहा कि जो लोग सोचते हैं कि मुसलमानों को इस देश में दूसरे दर्जे का नागरिक बना दिया जाएगा, ऐसा कभी नहीं होगा। एआईएमआईएम चीफ ने कहा कि हम किसी भी ऐसे व्यक्ति की निंदा करते हैं जो शैक्षणिक संस्थान में बैठकर बम बनाने की साजिश रचता है।

जो एक मदरसे और स्कूल का कमरा नहीं बना सकते, वे अमोनियम नाइट्रेट लेकर बैठे हैं। ओवैसी ने अपने भाषण में पिछले महीने हुई एक घटना का भी जिक्र किया, जब एक वकील ने तत्कालीन सीजेआई बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि अयोध्या पर फैसला हमारे खिलाफ था, लेकिन क्या कोई मुसलमान कोर्ट में जाकर जज पर जूता फेंकता है?

दुनिया के रईसों की लिस्ट में भारी बदलाव, लैरी पेज बने दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति

न्यूयॉर्क /एजेंसी:सोमवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में टेक शेयरों की जबरदस्त तेजी ने अरबपतियों की नेटवर्थ में बड़ा उछाल ला दिया। गूगल के शेयर 6 प्रतिशत से अधिक चढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचे, जिसका सबसे बड़ा लाभ लैरी पेज को मिला और वे दुनिया के अमीरों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक सोमवार को टॉप-10 में शामिल 9 अमेरिकी टेक अरबपतियों की कुल संपत्ति में करीब 65 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा फायदा एलन मस्क को हुआ, जिनकी संपत्ति टेस्ला के शेयरों में 6 प्रतिशत उछाल के बाद 19.1 अरब डॉलर बढ़कर 441 अरब डॉलर हो गई।

लैरी पेज की संपत्ति में 14.9 अरब डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज हुई और वे 272 अरब डॉलर नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर आ गए, जिससे लैरी एलिसन तीसरे स्थान पर खिसक गए। एलिसन को भी 3.2 अरब डॉलर का लाभ हुआ और उनकी कुल संपत्ति 257 अरब डॉलर हो गई।

अमेजन के शेयर चढ़ने से जेफ बेजोस की संपत्ति 5.09 अरब डॉलर बढ़कर 248 अरब डॉलर हो गई। मेटा के शेयरों में तेजी से मार्क जुकरबर्ग की दौलत 6.49 अरब डॉलर बढ़कर 217 अरब डॉलर पहुंच गई। एनवीडिया के शेयर बढ़ने से जेंसेंग हुआंग ने 3.13 अरब डॉलर कमाए और उनकी संपत्ति 159 अरब डॉलर हो गई।

सर्गेई ब्रिन को 13.8 अरब डॉलर का फायदा हुआ, जिससे उनका नेटवर्थ 254 अरब डॉलर पहुंच गया। स्टीव बाल्मर और माइकल डेल की संपत्ति में भी अच्छी बढ़ोतरी दर्ज हुई। माइकल डेल 154 अरब डॉलर नेटवर्थ के साथ टॉप-10 में शामिल हो गए और वॉरेन बफे को सूची से बाहर कर दिया गया। सोमवार की तेजी ने टेक अरबपतियों की लिस्ट में बड़ा बदलाव ला दिया।

बिहार में सरकार गठन के बाद नीतीश कैबिनेट की पहली बैठक आज, कई अहम मुद्दों पर हो सकते हैं फैसले

पटनाः बिहार में सरकार बनने के बाद आज यानी मंगलवार को नीतीश कैबिनेट की पहली बैठक होने जा रही है। वहीं बैठक में कई अहम मुद्दों पर फैसले लिए जा सकते है। कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा समेत सभी 26 मंत्री शामिल होंगे। बैठक के बाद कैबिनेट के फैसले आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की जाएगी। बैठक में रोजगार सृजन, राज्य के विकास को लेकर कई फैसले लिए जा सकते हैं। इसके साथ ही विधानसभा के विशेष सत्र को लेकर भी महत्वपूर्ण घोषणा होने की संभावना जताई जा रही हैं। बता दें कि सोमवार को जदयू विधायक नरेंद्र नारायण को बिहार विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर बनाया गया है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें प्रोटेम स्पीकर पद की शपथ दिलाई है। अब नरेंद्र नव निर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाएंगे।

वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी के छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रही है सरकार : श्रीनगर सांसद रूहुल्लाह

श्रीनगर : नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता और श्रीनगर से लोकसभा सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने श्री माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी (कटरा) में मेरिट छात्रों के साथ हो रहे अन्याय को लेकर गहरी नाराजगी जताई और कहा कि सरकार जानबूझकर जम्मू-कश्मीर के हजारों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही है।

एनसी सांसद रूहुल्लाह ने सोमवार रात को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, पिछले एक साल से अधिक समय से वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी के मेधावी छात्र न्याय की गुहार लगा रहे हैं। पहले सरकार ने कहा था कि 6 महीने में मामला सुलझा लेंगे, वो 6 महीने एक साल में बदल गए। चुनाव से पहले बडगाम में कहा गया कि बस कुछ दिन और, वो कुछ दिन अब एक महीने से ज्यादा हो चुके हैं। अब अगर कभी सुलझा भी लिया तो खोया हुआ एक साल और हजारों वैकेंसी कौन लौटाएगा?

रूहुल्लाह ने इसे नौजवानों का दम घोंटने वाला कृत्य बताया और सवाल उठाया कि क्या यह सब सिर्फ इसलिए हो रहा है क्योंकि वे इन छात्रों की आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने लिखा, ह्यठीक है, अगर मैं ही रुकावट हूं तो मैं एक महीने के लिए खुद को पूरी तरह इस मामले से अलग कर लूंगा। छात्रों से मिलिए, उन्हें समझिए, मामला सुलझाइए। मुझे गाली दें, मुझे बदनाम करें, उन्हें मेरे खिलाफ कर दें, लेकिन इन बच्चों का करियर बर्बाद मत कीजिए।

सांसद ने चेतावनी दी कि अगर 20 दिसंबर तक संसद का शीतकालीन सत्र खत्म होने के बाद भी यह मसला हल नहीं हुआ तो वे फिर छात्रों के साथ संसद के बाहर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले साल दिसंबर में भी उन्होंने एक दिन का धरना दिया था, लेकिन इस बार वे पीछे नहीं हटेंगे।

अब छोटी चोरी-ठगी भी मानी जाएगी 'संगठित अपराध', सम्राट चौधरी के गृह मंत्री बनते ही बिहार में नया पुलिसिंग फ्रेमवर्क लागू

पटनाः बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में नई एनडीए सरकार के गठन के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। सम्राट चौधरी के गृह मंत्री बनते ही बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने पूरे राज्य में एक नया पुलिसिंग फ्रेमवर्क लागू कर दिया है। इस मॉडल के तहत अब संगठित अपराध की परिभाषा को पहले से कहीं अधिक व्यापक कर दिया गया है।

अब छोटी चोरी से लेकर ठगी तक माने जाएंगे संगठित अपराध : विनय कुमार ने साफ कहा है कि संगठित अपराध अब सिर्फ बड़े गैंग या हाई-प्रोफाइल गिरोह तक सीमित नहीं रहेगा। अब चोरी, स्नैचिंग / जेबकतरी, छोटी ठगी या धोखाधड़ी, अवैध टिकट बिक्री, जुआ-सट्टा, पेपर सेल रैकेट, इन सभी को संगठित अपराध के रूप में दर्ज किया जाएगा। पुलिस पहले जिन मामलों को मामूली अपराध बताकर कम प्राथमिकता देती थी, अब उन पर भी सख्त और नियमित निगरानी होगी।

दो या अधिक लोगों द्वारा बार-बार अपराध- संगठित अपराध : पुलिस मुख्यालय के निदेर्शों के अनुसार, यदि दो या अधिक लोग मिलकर किसी भी अपराध को बार-बार अंजाम देते हैं, तो वह सीधे ह्यसंगठित अपराधह्न की श्रेणी में आएगा। इसमें शामिल होंगेः अपहरण, लूट, वाहन चोरी, आर्थिक अपराध, साइबर फ्रॉड, जमीन कब्जा, मानव तस्करी, अवैध हथियार कारोबार, कॉन्ट्रैक्ट किलिंग इस कदम का उद्देश्य अपराधी सिंडिकेट को शुरूआती स्तर पर ही तोड़ना है।

बीएनएस 2023 के आधार पर नए निर्देशः डीजीपी ने कहा कि छोटे अपराधों में शामिल लोग आगे चलकर बड़े गैंग का हिस्सा बन जाते हैं। इसलिए भारतीय न्याय संहिता 2023 के प्रावधानों के अनुसार, अब शुरूआत से ही ऐसे अपराधियों और उनके नेटवर्क पर निगरानी बढ़ाई जाएगी।

सैमसंग ने ड्युअल एयरवॉश और ड्युअल जेटस्ट्रीम तकनीक वाला बीस्पोक एयरड्रेसर किया लॉन्च

रांची : सैमसंग ने भारतीय बाजार में नया बीस्पोक एयरड्रेसर लॉन्च किया है, जो रोजमर्रा के कपड़ों को फ्रेश, रिंकल-फ्री और तुरंत पहनने योग्य बनाए रखने के लिए तैयार किया गया है। इस डिवाइस में ड्युअल एयरवॉश और ड्युअल जेटस्ट्रीम तकनीकें दी गई हैं, जो धूल, दुर्गंध और वायरस को हटाकर गारमेंट्स को हाईजीनिक रखते हैं। सैमसंग इंडिया के प्रेसिडेंट एवं सीईओ जे.बी. पार्क ने कहा, भारतीय घरों में कपड़ों की हाईजीन और आसान देखभाल की जरूरत बढ़ी है। बीस्पोक एयरड्रेसर कपड़ों को बिना कठोर धुलाई के हर दिन साफ और रेडी-टु-वियर रखने का स्मार्ट समाधान है। बीस्पोक एयरड्रेसर में एयर हैंगर्स और लॉन्ग ड्रेस जोन जैसी सुविधाएँ हैं, जो कपड़ों के अंदर-बाहर हवा पहुँचाकर सिलवटों को कम करती हैं और लंबे कपड़े, जैकेट, कोट और अन्य परिधानों की बेहतर देखभाल करती हैं। ड्युअल जेटस्ट्रीम उच्च-तापमान भाप का इस्तेमाल करके कपड़ों को सैनिटाइज करता है, जबकि ड्युअल एयरवॉश शक्तिशाली हवा के जेट्स के जरिए धूल और दुर्गंध हटाता है। इसका स्लीक और मॉडर्न बीस्पोक डिजाइन किसी भी आधुनिक वार्डरोब के साथ आसानी से मेल खाता है। यह सिल्क, शिफॉन, पश्मीना, कश्मीरी ऊन और ब्लेजर जैसी वर्कवेअर की सुरक्षित देखभाल करता है।

न्यूज IN ब्रीफ

आधुनिक तकनीक आधारित सिंचाई परियोजनाओं को अमल में लाने का हो रहा प्रयास : सीएम

दुमका : हर खेत तक पानी पहुंचे, इसी संकल्प के साथ मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन राज्यभर में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। इस कड़ी में आधुनिक तकनीक आधारित कई मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं की जो नींव रखी गई है, उसमें एक अति महत्वपूर्ण योजना है- मसलिया - रानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना। मुख्यमंत्री ने सोमवार को दुमका जिला अंतर्गत रानेश्वर प्रखंड के मुरगुनी में सिद्धेश्वरी नदी पर निमार्णाधीन मसलिया - रानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना का निरीक्षण किया और कार्य प्रगति की पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान विधायक आलोक कुमार सोरेन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार और सचिव प्रशांत कुमार भी मौजूद थे।

तय समय सीमा में पूरी हो परियोजना

मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के क्रम में कहा कि यह मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना दुमका के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इससे इस जिले की मसलिया और रानेश्वर प्रखंड के 22 हजार हेक्टेयर से ज्यादा भूमि पर सिंचाई की सुविधा पहुंचाई जानी है। ऐसे में इस मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के शेष बचे कार्यों को शीघ्र पूरा करें, ताकि किसानों को यह समर्पित कर सकें।

पानी का पूर्ण सदुपयोग हो

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मसलिया- रानेश्वर मेगा सिंचाई परियोजना की योजना को इस तरह से धरातल पर उतारा जा रहा है ताकि यह बहुउपयोगी साबित हो। इससे जहां एक बड़े इलाके में पटवन की सुविधा उपलब्ध होगी, वहीं नदी में ज्यादा पानी होने पर उसे तालाबों और जलाशयों में भी डाइवर्ट किया जा सकेगा। इसके चालू होने से यहां पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। ऐसे में इस मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के जरिए सिद्धेश्वरी नदी के जल का पूरा सदुपयोग करने की जिस सोच के साथ राज्य सरकार ने यह योजना बनाई है, वह हकीकत में पूरी होनी चाहिए।

निर्माण कर रही कंपनी ने कहा - लगभग 80 प्रतिशत काम हो चुका है पूर्ण

मसलिया - रानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना का निर्माण कर रही एल. एंड टी. कंपनी के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस परियोजना का लगभग 80 प्रतिशत काम पूर्ण हो चुका है। इसके तहत एक बैराज बनाया जा रहा है, जो लगभग तैयार है। जबकि कुल 15 गेटों का भी 90 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है । वहीं, तीन पंप हाउस में एक पूर्ण हो चुका है और दो का कार्य प्रगति पर है। इसके साथ इसमें पांच डिलीवरी चैंबर बनाए जा रहे हैं, जिसमें तीन पूरे हो चुके हैं जबकि दो चैंबर भी बहुत जल्द पूरा हो जाएगा। मुख्यमंत्री को उन्होंने बताया कि अगले वर्ष जनवरी तक लगभग 6400 हेक्टेयर भूमि पर भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से सिंचाई की सुविधा शुरू कर दी जाएगी।

22,283 हेक्टेयर भूमि में पटवन के लिए पहुंचेगा पानी

मसलिया - रानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना राज्य सरकार की एक अति महत्वाकांक्षी योजना है। सिद्धेश्वरी नदी पर बन रही इस मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के जरिए मसलिया प्रखंड के 15 पंचायत और रानेश्वर प्रखंड के चार पंचायत के अंतर्गत आने वाले 226 गांवों के 22,283 हेक्टेयर भूमि में भूमिगत पाइपलाइन के जरिए पटवन की सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने 1313 करोड़ रुपए की लागत वाली मसलिया- रानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना का नवंबर- 2022 में शिलान्यास किया था।

मुख्यमंत्री ने किया दीदी की दुकान का निरीक्षण

दुमका : दुमका एयरपोर्ट आयोजित कार्यक्रम के क्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कार्यक्रम स्थल पर लगे दीदी की दुकान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से बातचीत की और उनके कार्य, उत्पादों एवं आय में वृद्धि से संबंधित जानकारी प्राप्त की।मुख्यमंत्री ने महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार महिलाओं की आर्थिक स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि दीदी की दुकान जैसे पहल ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

चलो बुलावा आया है भोले नाथ ने बुलाया है

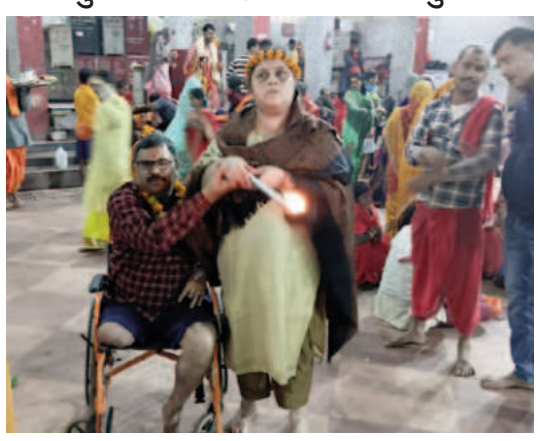

बिनय मिश्रा : सीआरपीएफ के कमांडेंट एवं नक्सलियों को बैकफुट पर लाने वाले रवि शंकर मिश्रा भले ही नक्सलियों की कायरता के शिकार होकर अपने एक पैर गंवा बैठे किंतु आज भी उनका जज्बा ना सिर्फ अनुकरणीय और आदरणीय है बल्कि प्रेरणास्रोत भी है। श्री मिश्रा ने बाबा के दरबार वासुकीनाथ में पत्नी संग पहुँच कर भोलेनाथ की पूजा अर्चना की और मंदिर के दर्शन कर काफी भावविभोर दिखे। श्री मिश्रा की दृढ़ निश्चितता और कर्मठता एक ओर जहाँ उपलब्धि और गौरव है वहीं भक्ति, श्रद्धा और आस्था का स्थल वासुकीनाथ पहुँच कर बाबा के दर्शन करना और पूजा अर्चना भी इनकी भोलेनाथ के प्रति भक्ति भाव को दर्शाता है।

विश्वविद्यालय ने की ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि की घोषणा

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय ने बीएड सेमेस्टर-3 परीक्षा के लिए ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की तिथियों की घोषणा कर दी है। कुलपति प्रो. कुनुल कंदिर के निदेर्शानुसार जारी अधिसूचना में बताया गया है कि परीक्षा फॉर्म बिना विलंब शुल्क के 26 नवंबर से 6 दिसंबर 2025 तक भरे जा सकेंगे, जबकि ₹200 विलंब शुल्क के साथ इन्हें 7 से 10 दिसंबर और ₹500 विलंब शुल्क के साथ 11 से 14 दिसंबर 2025 तक जमा किया जा सकेगा। परीक्षा फॉर्म की हार्ड कॉपी संबंधित विभाग या महाविद्यालय में 15 से 17 दिसंबर 2025 के बीच जमा करनी होगी।

राज्य सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

संवाददाता

दुमका : राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर झारखंड विकास के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है। संथाल परगना से खींची गई विकास की लकीर अब राजधानी रांची तक फैलेगी। यह सिर्फ भौगोलिक विस्तार नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है। आने वाले समय में यह फ्लाइंग इंस्टीट्यूट राज्य के युवाओं के सपनों को साकार करने के साथ-साथ झारखंड को विमानन प्रशिक्षण के क्षेत्र में देशभर में एक विशिष्ट पहचान दिलाएगा। वर्ष 2008 में जिसकी आधारशिला रखी गई थी, उस फ्लाइंग इंस्टीट्यूट ने आज अपने सपनों के पंख खोल दिए हैं। यह सिर्फ एक संस्थान नहीं बल्कि बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उक्त बातें मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोमवार को सिदोझकान्हू एयरपोर्ट, दुमका से ₹झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट₹ के उद्घाटन समारोह में कहीं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इस फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के माध्यम से पहले चरण में 30 पायलटों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इनमें से 15 पायलटों के प्रशिक्षण का पूरा खर्च राज्य सरकार स्वयं वहन करेगी। इससे झारखंड के युवाओं को न केवल उच्चस्तरीय विमानन प्रशिक्षण मिलेगा, बल्कि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकेंगे।उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान राज्य सरकार ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए हवाई जहाज से हजारों प्रवासी श्रमिकों को उनके घर सुरक्षित वापस लाया था। आज, उन्हीं श्रमिक परिवारों के बेटों और बेटियों में से पायलट और विमान इंजीनियर तैयार करने की दिशा में ठोस कदम उठाया जा रहा है। यह बदलाव की वह कहानी है जो झारखंड की नई उड़ान का संकेत दे रही है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण से जुड़ी हर बारीकी को गहराई से समझा। उन्होंने स्वयं प्रशिक्षुओं और कैप्टन के साथ मिलकर विमानन प्रशिक्षण की तकनीकों, उपकरणों और ट्रेनिंग के हर पहलू का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान विमानन सुरक्षा, पायलटों को दी जाने वाली कड़ी थ्योरी कक्षाओं, सिम्युलेटर ट्रेनिंग, फ्लाइट ऑपरेशंस और आपात स्थिति प्रबंधन की विधियों को भी देखा।

हमारी सरकार जो कहती है, कर-के दिखाती है

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हमारी सरकार जो कहती है, करके दिखाती है,– राज्य की आधी आबादी को सशक्त बनाने के लिए सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, और आर्थिक सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में विशेष कदम उठाए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट विद्यालयों की स्थापना से गुणवत्ता शिक्षा पहुंचने लगी है, जिससे युवाओं का

सर्वांगीण विकास संभव हो रहा है। विशेष रूप से, ₹मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना₹ राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जो उच्च शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को विदेश भेजकर उनके भविष्य को उज्जवल बनाने का काम करती है। इस योजना के तहत हर वर्ष 25 छात्र-छात्राओं को चयनित कर उनकी विदेश में पढ़ाई का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाती है। इसमें अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र शामिल होते हैं। यह कदम राज्य सरकार की उस प्रतिबद्धता का उदाहरण है जो वह कहती है उसे पूरा करके दिखाती है। यह योजना न केवल उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करती है, बल्कि युवाओं को आत्म-निर्भर बनाने और उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में भी सहायक है।

हमारी सरकार हेडक्वार्टर से नहीं बल्कि गांवों से चलने वाली सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार हेडक्वार्टर से नहीं बल्कि गांवों से चलने वाली सरकार है। इस दिशा में ₹सेवा का अधिकार₹ कार्यक्रम एक अहम पहल बनकर उभरा है, जिसके तहत अधिकारी अब पंचायत स्तर पर जाकर सीधे ग्रामीण जनता की समस्याओं को सुनकर समाधान कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों में शिविर लगाकर सरकारी सेवाओं और योजनाओं के लाभ सीधे जनता तक पहुंचाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा निर्धारित समय सीमा में समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो उन अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। सेवा का अधिकार सप्ताह के दौरान जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृति आदि की सुविधा ग्राम स्तर पर उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही आप सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन भी शिविरों में ही कर सकते हैं।

राज्य सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मैंने मसलियाझरानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के कार्य प्रगति का निरीक्षण किया। यह परियोजना राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है और इसे इस क्षेत्र के किसानों के लिए संपूर्ण वर्ष सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बनाया जा रहा है। मसलियाझ्र रानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना से किसान वर्षभर पानी के अभाव से मुक्त रहेंगे, जिससे उनकी फसल उपज और आय बढ़ेगी और क्षेत्र में कृषि की नई संभावनाएं विकसित होंगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इस परियोजना के सफल कार्यान्वयन से किसानों की जीवनशैली में सुधार होगा।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों की 190.647 करोड़ रुपये की 12 योजनाओं का उद्घाटन एवं 123.48 करोड़ रुपये की 14 योजनाओं की आधारशिला रखी। साथ ही 23 लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया, जिससे उन्हें आजीविका संवर्द्धन और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में नई संभावनाएं प्राप्त हुईं। वितरित परिसंपत्तियों में दिव्यांगों के लिए मोटर ट्राइसाइकिल, मोटरसाइकिल, मिनी मेडिकल यूनिट, बस, जेयूएन छात्रावास और वित्तीय सहायता आदि शामिल हैं।

इस अवसर पर सांसद नलिन सोरेन, विधायक बसंत सोरेन, विधायक प्रदीप यादव, विधायक लुईस मरांडी, विधायक आलोक कुमार सोरेन, जिला परिषद अध्यक्ष जॉयस बेसरा, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, सचिव, प्रशांत कुमार, झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के निदेशक, कैप्टन एस. पी सिन्हा, इंस्टीट्यूट के ट्रेनी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

सरकार आपके द्वार योजना का लाभ अब गांवों तक : विधायक

संवाददाता

कोलेबिरा : प्रखंड क्षेत्र के बरसलोया और लचरागढ़ पंचायत में सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।शिविरों में ग्रामीणों की भारी उपस्थिति देखने को मिली,जहां लोगों ने योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त की,आवेदन जमा किया तथा मौके पर ही प्रमाण-पत्र और परिसंपत्तियों का लाभ लिया।उपस्थित जनप्रतिनिधियों के द्वारा वृद्धा पेंशन,मनरेगा जॉब कार्ड, जाति प्रमाण पत्र,बच्चों के बीच स्वेटर और छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया।मौके पर लघु एवं कुटीर उद्योग के द्वारा जेएसएलपीएस महिला समूह के द्वारा लाह प्रसंस्करण से निर्मित चूड़ी का भी अतिथियों ने अवलोकन किया और बेहतर कार्य हेतु महिला समूह की दीदियों को सराहा।इसके अलावा सर में लगे सभी स्टोलों का बारी-बारी से अतिथियों ने निरीक्षण किया और जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर मुख्य रूप से कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी,जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग,प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र किंडो, अंचलाधिकारी अनूप कच्छप,लचरागढ़ मुखिया जिरेन मड़की,बरसलोया मुखिया संदीप सद मुंडा, झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य फिरोज अली,कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष रावेल लकड़ा,15 सूत्रीय कार्यक्रम जिला सदस्य क्लेमेंट टेटे,कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रदेश सचिव फुलकेरिया डांग,महिला मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष महिमा केरकेट्टा,सांसद प्रतिनिधि सुनिल खड़िया, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष प्रकाश बागे, सचिव बिरीस डुंगडुंग, झामुमो महिला प्रखंड अध्यक्ष अनिता सोरेंग, मंडल अध्यक्ष राकेश कोनगाड़ी,जोसेफ सोरेंग, पंचायत अध्यक्ष अल्बिनुस लुगुन, युवा विधानसभा अध्यक्ष अमृत डुंगडुंग, श्यामसुंदर आचार्य, संजय पोल केरकेट्टा,निलय प्रेम तिर्की,विजय बाघवार, देवनिशिया कुल्लू के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने कहा कि आम ग्रामीणों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सरकार के जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक पदाधिकारी आपके पंचायत तक आ रहे हैं।आप सभी अधिक से अधिक संख्या में इस शिविर में भाग ले और सरकारी जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लें।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सरकार के विभिन्न लाभकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को मिले इसे सेवा का अधिकार के तहत पंचायत के लोगों को अधिक से अधिक लाभ देना है इसके लिए विभिन्न पंचायत में शिविर का आयोजन किया जा रहा है साथ ही लाभुकों से आवेदन लिए जा रहे हैं तथा समस्याओं का तत्काल निपटारा किया जा रहा है। शिविर के माध्यम से लोगों की समस्याओं को सुना जा रहा है साथ उनके समस्याओं का ऑन द स्पॉट निवारण भी किया जा रहा है।

कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए ह्झारखंड राज्य सेवा गारंटी अधिनियम 2011ह्न के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि किसी भी सेवा जैसे प्रमाण-पत्र, भूमि संबंधित सेवा या योजनाओं के लाभ हेतु निर्धारित समय सीमा तय है। यदि निर्धारित समय सीमा में लाभ नहीं मिलता है तो संबंधित पदाधिकारी पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। झामुमो केंद्रीय सदस्य फिरोज अली ने कहा कि सेवा का अधिकार सप्ताह कार्यक्रम के तहत आम जनता को जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र,आवश्यक प्रमाण पत्र आय प्रमाण पत्र अंचल से तुरंत निर्गत किया जा रहा है।

लायंस क्लब चाईबासा लावण्या ने किया कंबल वितरण

संवाददाता

चाईबासा : बढ़ती हुई ठंड को देखते हुए, एस.आर. रूंगटा ग्रुप के सौजन्य से कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत इस वर्ष भी जरूरतमंद लोगों के लिए कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम लायंस क्लब ऑफ चाईबासा लावण्या द्वारा उनके 'वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी' के तहत आयोजित किया गया।

ठंड के इस मौसम में गरीब और जरूरतमंद लोगों को राहत पहुँचाने के उद्देश्य से यह पहल की गई, ताकि वे शीतलहर से अपना बचाव कर सकें। इस नेक कार्य में मुख्य रूप से दो केसरगढ़िया और जोल्दीहा गाँव के निवासियों को कंबल वितरित किए गए।

कार्यक्रम को सफल बनाने में लायंस क्लब ऑफ चाईबासा लावण्या की निम्नलिखित सदस्यों की महत्वपूर्ण भागीदारी रहीः अध्यक्ष आरती मोदी, सचिव वरीशा दोदराजका, कोषाध्यक्ष सी.ए. प्रीति दोदराजका, पूर्व अध्यक्ष ज्योति रूंगटा।

इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय ज्योति रूंगटा द्वारा किया गया, जिन्होंने सुनिश्चित किया कि कंबल सही समय पर और सही लोगों तक पहुंचे।

यह कंबल वितरण कार्यक्रम समाज के प्रति एस.आर. रूंगटा ग्रुप और लायंस क्लब ऑफ चाईबासा लावण्या की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संत जेवियर कॉलेज में तीन दिवसीय जेवियर उत्सव का हुआ आयोजन

इस बार का यह महोत्सव समृद्धि थीम पर था

संवाददाता

सिमडेगा : संत जेवियर कॉलेज सिमडेगा में तीन दिवसीय जेवियर उत्सव का भव्य और ऐतिहासिक आयोजन धूमधाम से शुरू हुआ।हर वर्ष आयोजित होने वाला यह महोत्सव इस बार ह्समृद्धिह्न थीम पर आधारित है जिसका उद्देश्य छात्रों की प्रतिभा, रचनात्मकता और सांस्कृतिक विविधता को मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम का शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया इस अवसर पर उत्साह, उमंग और तालियों की गूंज से भर उठा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नियोजन पदाधिकारी आशा मक्सिमा लकड़ा उपस्थित रहीं, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला कृषि पदाधिकारी माधुरी टोप्पो उपस्थिति रही दोनों अतिथियों का कॉलेज प्रशासन ने स्मृति चिन्ह और पुष्पगुच्छ देकर

स्वागत किया गया। उत्सव के प्रथम दिवस में कई रोमांचक, रचनात्मक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें फेस पेंटिंग, ग्रुप डांस, कोलाज, क्विज प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, टी-शर्ट पेंटिंग, डिबेट, नुक्कड़ नाटक और स्ट्रीट डांस प्रमुख रहे। इन सभी कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने अपनी अनोखी प्रतिभाओं से दर्शकों का दिल जीत लिया। कॉलेज परिसर पूरे दिन उत्साह, रंगों और संगीत से सराबोर रहा।

वहीं आशा मैक्सिमा लकड़ा ने कहा की ने बदलते समय में युवाओं के लिए अपने करियर को लेकर सजग रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लाइफस्टाइल और उत्सव अपनी जगह हैं, लेकिन भविष्य निर्माण सबसे अहम है।कार्यक्रम के दौरान उन्होंने छात्रों को निर्देशित किया कि नया एजुकेशन सिस्टम के तहत उपलब्ध अवसरों का उपयोग करते हुए छात्र पहले ही वर्ष से यह तय करें कि उन्हें भविष्य में किस क्षेत्र में आगे बढ़ना है। जिले में बेरोजगार युवाओं और करियर संबंधी दुविधा से जूझ रहे छात्रों के लिए विशेष काउंसलिंग सुविधा उपलब्ध है।छात्र चाहे तो प्रत्यक्ष रूप से करियर काउंसलिंग कार्यालय संपर्क कर सकते हैं या कॉलेज प्राचार्य के माध्यम से विशेषज्ञों को बुलाने का अनुरोध कर सकते हैं। आवश्यक होने पर विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को भी बुलाया जाएगा।उन्होंने कहा यदि छात्रों को किसी विशेष परीक्षा जैसे कि वढरउ, ररउ या निजी क्षेत्र से जुड़ा मार्गदर्शन चाहिए–तो हम उसे उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास करेंगे अंत में उन्होंने जेवियर उत्सव 2025 की टैगलाइन ह्समृद्धिह्न पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यक्ति अपने व्यवहार, शिक्षा और सोच में सुधार लाकर स्वयं और अपने परिवार के साथ-साथ समाज और राज्य को भी समृद्ध बना सकता है उन्होंने कार्यक्रम के आयोजकों को शुभकामनाएँ दीं और युवाओं से अपने भविष्य को लेकर गंभीर होने की अपील की।

वहीं माधुरी टोप्पो ने कहा की जेवियर केवल एकेडमिक कॉलेज शिक्षा ही नहीं देता, बल्कि विद्यार्थियों के आध्यात्मिक, सामाजिक और व्यक्तिगत विकास पर भी जोर देता है। यहाँ छात्रों को अच्छे मार्गदर्शकों और सकारात्मक संगति का लाभ मिलता है उन्होंने कहा कि संस्था की मजबूत जड़ों को संवारने का कार्य जीसविट समाज के फादरों ने निरंतर प्रयासों से किया है। अनेक फादरों ने कठिन परिस्थितियों और संघर्षों के बावजूद शिक्षा व सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देकर इस समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाया है।उन्होंने यह भी कहा कि जीवन में आध्यात्मिक सोच अत्यंत आवश्यक है। किसी भी धर्म के हों, कठिन समय में ईश्वर या अदृश्य शक्ति पर विश्वास व्यक्ति को आगे बढ़ने की शक्ति देता है। इसी मजबूत आधार पर फ्रांसिस जेवियर के आदर्शों पर चलते हुए एक समृद्ध और सम्मानित संस्थान के रूप में जाना जाता है।इस अवसर पर रेक्टर फादर पियूष खलखो, प्रिंसिपल फादर डॉ. रोशन बा, वाइस प्रिंसिपल समीर भावरा, ब्रशर फादर ब्रूनो टोप्पो, विभिन्न विभागों के प्रोफेसर, स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे। संत जेवियर कॉलेज का यह तीन दिवसीय उत्सव आने वाले दो दिनों में और भी कई आकर्षक कार्यक्रमों, खेल प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ आगे बढ़ेगा। पूरा परिसर उत्सव माहौल में डूबा हुआ है और विद्यार्थी बड़ी उत्सुकता से अगली गतिविधियों का इंतजार कर रहे हैं।